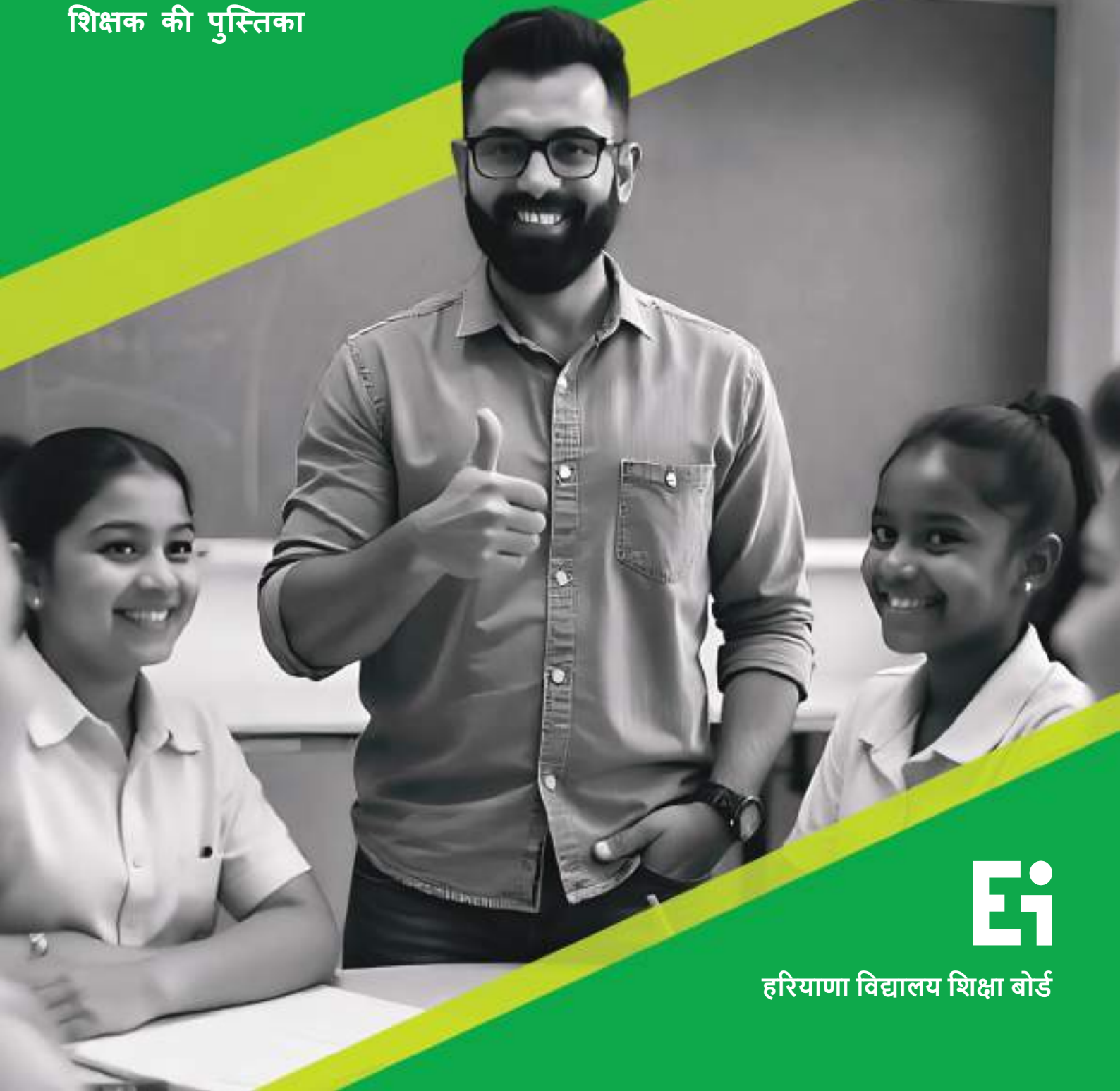




# योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव

योग्यता-आधारित मूल्यांकन  
में परिवर्तन के लिए एक  
शिक्षक की पुस्तिका



**Ei**

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड



# भूमिका

सम्माननीय शिक्षक,  
नमस्कार एवं सादर अभिवादन,

शिक्षा की निरंतर विकसित होती दुनिया में, हम अक्सर छात्रों के जीवन पर पड़ने वाले अपने प्रभाव पर विचार करते हुए पाते हैं। शिक्षण केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है; यह मस्तिष्क को आकार देने, विकास को प्रोत्साहित करने और युवाओं को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने में मार्गदर्शन देने का कार्य है। आप, एक शिक्षक के रूप में, इस ज़िम्मेदारी की गहराई को किसी से भी बेहतर समझते हैं। कक्षा में प्रत्येक दिन हमें उन छात्रों की क्षमताओं और रुचियों को पोषित करने का एक अवसर प्रदान करता है, जो हमसे मार्गदर्शन के लिए हमारी ओर देखते हैं। यह मार्गदर्शिका आपके समर्पण को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

हम जानते हैं कि सार्थक, योग्यता-आधारित मूल्यांकन तैयार करना मात्र एक कार्य नहीं है। यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि प्रत्येक छात्र न केवल कक्षा के लिए बल्कि जीवन के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल को गहराई से समझ सके। योग्यता-आधारित मूल्यांकन यह मापने से परे है कि छात्र क्या याद रख सकते हैं; वे इस बात पर गहराई से विचार करते हैं कि छात्र क्या कर सकते हैं, वे कैसे सोचते हैं और वे अपनी सीख को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में कैसे लागू करते हैं। हम समझते हैं कि इस प्रकार के मूल्यांकन तैयार करना एक अतिरिक्त चुनौती की तरह महसूस हो सकता है। यह मार्गदर्शिका आपको योग्यता-आधारित मूल्यांकन तैयार करने के प्रयास में सहयोग देने के लिए है।

यह मार्गदर्शिका छात्रों की सीखने की गहराई से समझौता किए बिना, योग्यता-आधारित मूल्यांकन को लागू करना आसान बनाने के लिए आपको व्यावहारिक उपकरण, उदाहरण और अंतर्दृष्टि प्रदान करती है और इस प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रयास करती है। योग्यता-आधारित मूल्यांकन न केवल यह माप सकते हैं कि छात्रों ने क्या सीखा है, बल्कि यह भी प्रभावित करते हैं कि वे कैसे सीखते हैं। सच्चे कौशल पर ध्यान केंद्रित करके आप अपने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ बढ़ने में सक्षम बना सकते हैं, यह जानते हुए कि वे केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि उस नींव के निर्माण के लिए सीख रहे हैं जिसे वे आने वाले वर्षों तक अपने साथ ले जाएँगे। यह मार्गदर्शिका केवल एक संसाधन नहीं है; यह एक शिक्षक के रूप में आपकी यात्रा में आपका समर्थन करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता है। हमें आशा है कि जब आप इसके पन्ने पलटेंगे, तो आप अपने छात्रों की सीखने की प्रक्रिया का आकलन करने के नए तरीकों का पता लगाने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे और इसके साथ ही, आपको अपने दैनिक कार्य अधिक अर्थपूर्ण लगेंगे। यह प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन इसके परिणाम अमूल्य हैं—आप और आपके छात्रों दोनों के लिए। आप जो अविश्वसनीय कार्य करते हैं और प्रत्येक छात्र को उनके भविष्य की ओर मार्गदर्शन देने में जो सावधानी बरतते हैं, उसके लिए धन्यवाद।

**हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड**



# सामग्री सूची

■ भूमिका	
■ इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें?	7
■ योग्यता-आधारित मूल्यांकन की आवश्यकता	8
• मूल्यांकन का महत्व	8
• याद रखने से परे: रटने की सीमाएँ	9
• तो छात्र परीक्षाओं में अच्छे अंक कैसे प्राप्त कर पाते हैं?	10
• राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के संदर्भ में मूल्यांकन सुधार	11
• योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का क्या अर्थ होगा?	14
• लेकिन क्या मूल्यांकन से संबंधित ये बदलाव वास्तव में आवश्यक हैं?	17
■ योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना	22
• मूल्यांकन में अच्छे प्रश्नों की भूमिका	22
• योग्यता-आधारित प्रश्नों की पहचान कैसे करें?	26
■ योग्यता-आधारित प्रश्नों को छात्रों के लिए प्रस्तुत करना और उनकी चिंता कम करना	31
• छात्रों को योग्यता-आधारित प्रश्नों की उपयोगिता समझाने में मदद करना	31
• योग्यता-आधारित प्रश्नों का चरणबद्ध परिचय	32
• शिक्षण-अधिगम चक्र को समायोजित करना	35
• आत्मविश्वास और कौशल प्राप्त करने का मार्ग	38
■ अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराना और उनकी चिंता कम करना	39
• अभिभावक को बदलाव समझने में मदद करना	39
• अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराने के लिए रणनीतियाँ	40
• अभिभावक को समर्थन देने के लिए नियमित शिक्षण-अधिगम चक्र में बदलाव	43
• विश्वास बनाना और चिंता कम करना	44
■ योग्यता-आधारित मूल्यांकन की दिशा में आगे का रास्ता	45



# इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें?

यह दस्तावेज़ शिक्षकों के लिए एक व्यावहारिक संसाधन है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की अनुशंसा अनुसार योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर परिवर्तन कर रहे हैं। इसमें शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए इस परिवर्तन को सरल और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक उपकरण, रणनीतियाँ और दृष्टिकोण शामिल हैं। यहाँ शिक्षकों के लिए इस मार्गदर्शिका का उपयोग करने के मुख्य चरण दिए गए हैं:

1



## योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ने की आवश्यकता को समझें-

कार्यान्वयन शुरू करने से पहले यह समझना महत्वपूर्ण है कि पारंपरिक रटंत आधारित मूल्यांकन से योग्यता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव क्यों आवश्यक है। यह समझने के लिए कि इस बदलाव की आवश्यकता क्यों है और यह बदलाव आने वाले वर्षों में छात्रों को कैसे मदद करेगा, पहले खंड 'योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ने की आवश्यकता' का उपयोग करें।

2



## योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना और उन्हें तैयार करना-

यह खंड एक 'योग्यता-आधारित मूल्यांकन को समझना' पृष्ठभूमि प्रदान करता है कि योग्यता-आधारित प्रश्न क्या हैं, उन्हें कैसे पहचाना जाए। मूल्यांकन तैयार करते समय योग्यता-आधारित प्रश्नों की पहचान करने के लिए प्रदान की गई चेकलिस्ट उपयोगी हो सकती है। यह चेकलिस्ट न केवल छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करने में मदद करेगी बल्कि उनकी किसी भी गलत धारणा को भी उजागर करेगी।

3



## छात्रों को चिंतित किए बिना इस परिवर्तन की प्रासंगिकता देखने में मदद करना-

छात्रों को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराना और विद्यार्थियों की चिंता को कम करना यह खंड सुझाव देता है कि छात्रों को धीरे-धीरे योग्यता-आधारित प्रश्नों से कैसे परिचित कराया जाए ताकि वे बदलाव के साथ आने वाली चिंता के बिना उन्हें अपनाने में सक्षम हो सकें। यह उन परिवर्तनों के बारे में सुझाव भी देता है जो परिवर्तन को सक्षम करने के लिए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में किए जा सकते हैं। यह योग्यता-आधारित मूल्यांकन को लेकर छात्रों की चिंता को कम करने में मदद करेगा।

4



## अभिभावक की चिंताओं को सक्रिय रूप से संबोधित करना-

अभिभावक के लिए योग्यता-आधारित प्रश्नों का परिचय देना और अभिभावक की चिंता को कम करना यह खंड उन चिंताओं को दूर करने के बारे में सुझाव प्रदान करता है जो अभिभावक को अपने बच्चों के ग्रेड पर योग्यता-आधारित मूल्यांकन के प्रभाव के बारे में हो सकती हैं। यह योग्यता-आधारित मूल्यांकन को लेकर अभिभावक की चिंताओं को कम करने में मदद करेगा।

इन चरणों का पालन करते हुए और इस मार्गदर्शिका में उल्लिखित उपकरणों और रणनीतियों का उपयोग करते हुए, शिक्षक योग्यता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव को सुगम बना सकते हैं। यह बदलाव केवल छात्रों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके सीखने के तरीके को भी बदलने के लिए है, जिससे मुख्य अवधारणाओं की गहरी समझ विकसित हो सके और वे आधुनिक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

# योग्यता-आधारित मूल्यांकन की आवश्यकता

## मूल्यांकन का महत्व



**प्र**भावी अधिगम का नियमित मूल्यांकन और प्रतिक्रिया से गहरा संबंध है। एक अच्छा निदान एक अच्छे उपचार का पहला कदम है। जिस तरह एक अच्छे डॉक्टर को प्रभावी दवा देने में सक्षम होने के लिए यह समझने की ज़रूरत होती है कि समस्या क्या है, उसी तरह एक छात्र को बेहतर उपचार सहायता प्रदान करने के लिए, किसी को यह समझने की ज़रूरत है कि सीखने में सटीक अंतराल क्या हैं। एक बार पहचान हो जाने पर, सहायता को छात्र की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है। कुछ छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को गति देने के लिए केवल यह तथ्य पर्याप्त है कि उन्होंने जो सीखा है उसमें अंतराल दिख रहे हैं।

परीक्षाएँ यह समझने का एक महत्वपूर्ण साधन हैं कि कितना सीखा गया है और छात्र कितनी कुशलता से प्रदर्शन कर रहे हैं। ये मापदंड हैं जो शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता के बारे में मूल्यवान प्रतिक्रिया भी प्रदान करते हैं। मूल्यांकन को इस दोहरे उद्देश्य को पूरा करना चाहिए : छात्रों द्वारा वास्तव में क्या समझा गया है, इसे

प्रभावी ढंग से मापना और शिक्षकों व छात्रों को कार्यवाही योग्य अंतर्दृष्टि और आवश्यक समर्थन प्रदान करना। अच्छे मूल्यांकन से प्राप्त डेटा शिक्षकों को सीखने में कमियों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने में सक्षम बनाता है।

इसके अतिरिक्त, जब हितधारक उच्च परीक्षा स्कोर को प्राथमिकता देते हैं, तो मूल्यांकन सुधार पूरी प्रणाली पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। प्रभावी मूल्यांकन सीखने को भी बढ़ावा दे सकता है, क्योंकि “परीक्षा की तैयारी” एक लाभकारी अभ्यास बन जाती है।

मूल्यांकन शिक्षा प्रणाली के लिए एक दिशा-निर्देशक तारे के रूप में कार्य कर सकते हैं। ये हितधारकों की प्राथमिकताओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यदि सही तरीके से तैयार किया जाए, तो मूल्यांकन न केवल अपने आवश्यक उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं बल्कि शिक्षा प्रणाली, कार्यस्थल और समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।



## याद रखने से परे: रटने की सीमाएँ



### रटने और स्मरण के बीच मुख्य अंतर शामिल हैं -

- **समझ:** रटने में समझ की कमी होती है, जबकि स्मरण में अक्सर समझ शामिल होती है।
- **अनुप्रयोग:** रटना केवल विशिष्ट जानकारी को याद करने तक सीमित है, जबकि स्मरण में विभिन्न संदर्भों में लागू किया जा सकता है।
- **कुशलता:** स्मरण करना अधिक कुशल होता है क्योंकि इसमें जानकारी का सक्रिय प्रसंस्करण शामिल होता है।

**र**टना और स्मरण अक्सर एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है, लेकिन वे अलग-अलग संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। रटने में जानकारी को उसके अर्थ या संदर्भ को समझे बिना यांत्रिक रूप से दोहराना शामिल है। यह सीखने का एक निष्क्रिय रूप है, जिसमें तथ्यों या अनुक्रमों को बिना समझे याद किया जाता है। उदाहरण के तौर पर, किसी फोन नंबर या कविता के अंश को उसका अर्थ समझे बिना याद करना।

दूसरी ओर, स्मरण महत्वपूर्ण जानकारी को दीर्घकालिक स्मृति में संग्रहीत करने की प्रक्रिया है, जिसका बाद में उपयोग किया जा सकता है। इसमें जानकारी को समझना और उसे मौजूदा ज्ञान से जोड़ना शामिल है। स्मरण का एक उदाहरण देशों और उनकी राजधानियों के नाम याद रखना, उनकी भौगोलिक स्थिति या गुणन सारणी को समझना और साथ ही उत्तर तक पहुंचने का तरीका जानना है।

जबकि रटना और स्मरण दोनों में जानकारी संग्रहीत करना शामिल है, स्मरण एक अधिक प्रभावी और बहुमुखी दृष्टिकोण है जो समझ और अनुप्रयोग पर जोर देता है। रटने पर अत्यधिक निर्भरता विश्लेषण, समस्या-समाधान

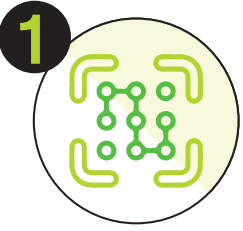
और आलोचनात्मक सोच जैसे उच्च-स्तरीय सोच कौशल के विकास को सीमित कर सकती है।

रटने की शिक्षा छात्रों की वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में ज्ञान को समझने, विश्लेषण करने और लागू करने की क्षमता को सीमित कर देती है। यह बिना समझे याद करने को प्रोत्साहित करता है, जैसा कि केवल सूत्रों को याद करने के बाद समाधान की कल्पना करने में असमर्थता से स्पष्ट होता है। यह पद्धति छात्रों को आधुनिक कार्यस्थल की माँगों के लिए तैयार नहीं करती है, क्योंकि उनमें आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल की कमी होती है। समझने की बजाय रटने पर ध्यान केंद्रित करने से अवधारणाओं की उथली समझ पैदा होती है, जिससे छात्रों के लिए कक्षा की शिक्षा को व्यावहारिक स्थितियों से जोड़ना मुश्किल हो जाता है, जैसा कि वास्तविक जीवन में छूट की गणना करने या भिन्नों की व्याख्या करने जैसे कार्यों के साथ उनके संघर्षों से पता चलता है। इनमें से कुछ कारणों से, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में रटने की प्रणाली से हटकर एक ऐसी प्रणाली की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है जो समझ पर आधारित हो।

# तो छात्र परीक्षाओं में अच्छे अंक कैसे प्राप्त कर पाते हैं?

**अ**क्सर, परीक्षाओं की संरचना और डिजाइन के कारण, छात्र ऐसी रणनीतियों का उपयोग करके अच्छे अंक प्राप्त कर लेते हैं जो अक्सर रटने, पैटर्न पहचानने और प्रश्न प्रारूप से परिचित होने को प्राथमिकता देती हैं। हालाँकि ये तरीके परीक्षाओं में उच्च अंक दिला सकते हैं, लेकिन ये विषय की गहरी समझ को अनिवार्य रूप से प्रतिबिंबित नहीं करते।

इसके बजाय, छात्र अक्सर परीक्षा-विशिष्ट तकनीकों में महारत हासिल करके सफल हो जाते हैं, बजाय इसके कि वे आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करें, जो वास्तविक जीवन में आवश्यक हैं। छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली कुछ सामान्य रणनीतियों में शामिल हैं -



## 1 पैटर्न पहचानने और रटने पर निर्भरता

छात्रों के अच्छे अंक प्राप्त करने के मुख्य कारणों में से एक उनकी क्षमता है कि वे परीक्षाओं में आने वाले प्रश्नों के प्रकार में पैटर्न को पहचान सकें। परीक्षा की तैयारी का एक बड़ा हिस्सा पिछले प्रश्न पत्रों या अपेक्षित प्रश्नों का अभ्यास करना होता है। यह दृष्टिकोण विशेष रूप से पारंपरिक प्रणालियों में प्रभावी होता है, जहाँ हर साल मामूली बदलावों के साथ एक ही प्रकार के प्रश्न दोहराए जाते हैं। भले ही मामूली बदलावों के साथ।



## 2 परिचित प्रश्न प्रारूप

एक अन्य योगदान कारक कई परीक्षाओं में प्रश्न प्रारूपों की पूर्वानुमेयता है। छात्र अक्सर पिछले प्रश्न पत्रों के प्रारूप के आधार पर यह अनुमान लगाने में सक्षम होते हैं कि उनकी परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न आएँगे। ये परीक्षाएँ नवीन स्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग का परीक्षण करने के बजाय यांत्रिक, तथ्य-आधारित प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

उदाहरण के लिए, विद्युत के विषय में, सामान्य प्रश्नों में छात्रों से यह पूछा जा सकता है कि वे परिचित सूत्रों का उपयोग करके प्रतिरोध या धारा की गणना करें। जैसे, “2 ओम के प्रतिरोध वाले तांबे के तार में, जिसे 9 वोल्ट के विद्युत स्रोत से जोड़ा गया है, धारा क्या होगी?” ऐसे प्रश्न उन छात्रों के लिए सरल होते हैं जिन्होंने संबंधित सूत्र को रट लिया है, लेकिन यह उनसे विद्युत परिपथों के अंतर्निहित भौतिकी को समझने की आवश्यकता नहीं रखता। इन परिचित समस्याओं का अभ्यास करके, छात्र विषय की गहरी समझ विकसित किए बिना भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।



## 3 परीक्षा केंद्रित तैयारी

कई छात्र और शिक्षक परीक्षाओं की तैयारी पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसमें वे “महत्वपूर्ण” विषयों तक अपनी पढ़ाई को सीमित कर देते हैं, जो संभवतः परीक्षा में पूछे जा सकते हैं। इसमें अक्सर पाठ्यक्रम के उन विशेष भागों का अध्ययन करना शामिल होता है, जो बार-बार परीक्षाओं में आने के लिए जाने जाते हैं, जबकि अन्य विषयों, जिनकी परीक्षा में आने की संभावना कम होती है, को अनदेखा कर दिया जाता है या उन पर कम ध्यान दिया जाता है।

इस प्रकार की परीक्षा-केंद्रित तैयारी छात्रों को उच्च अंक प्राप्त करने में मदद करती है क्योंकि वे अपने प्रयासों को उन प्रश्नों में महारत हासिल करने पर केंद्रित करते हैं, जिनका वे लगभग निश्चित रूप से सामना करेंगे। शिक्षक और ट्यूटर अक्सर छात्रों को “महत्व वाले” विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं या “जानने योग्य” क्षेत्रों के बारे में जानकारी साझा करते हैं, जिससे इस रणनीतिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप, जो छात्र इस केंद्रित पद्धति का पालन करते हैं, वे परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं, भले ही उनकी विषय की समझ सतही हो या केवल बार-बार पूछे जाने वाले अवधारणाओं तक सीमित हो।

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के संदर्भ में मूल्यांकन सुधार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने भारत में शिक्षा प्रणाली को बदलने के लिए एक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जिसमें मूल्यांकन सुधारों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस परिवर्तन का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली में लंबे समय से मौजूद मुद्दों, जैसे रटने पर आधारित अधिगम, सतही समझ और छात्रों की अवधारणाओं की सच्ची पकड़ का परीक्षण करने में विफल रहने वाली परीक्षाओं को संबोधित करना है। NEP अधिक सार्थक और योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का प्रस्ताव करती है, जो छात्रों को भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार करता है। मूल्यांकन सुधार के संदर्भ में NEP द्वारा सुझाए गए कुछ प्रमुख बदलाव निम्नलिखित हैं:

## 1 रटने के अधिगम से दूर जाना

NEP का एक प्रमुख उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को रटने की संस्कृति से हटाकर, परीक्षण और मूल्यांकन पर केंद्रित करना है। यह बदलाव सुनिश्चित करने के लिए है कि छात्र समझ के साथ सीखें और अपने ज्ञान को वास्तविक जीवन के संदर्भों में लागू करने के लिए आवश्यक आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करें।

## 2 योग्यता-आधारित मूल्यांकन लागू करना

NEP के सुधार एजेंडे का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू योग्यता-आधारित मूल्यांकन की शुरुआत है। इसे इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह केवल जानकारी याद रखने के बजाय, छात्रों की मूल अवधारणाओं और कौशल को समझने और लागू करने की क्षमता का मूल्यांकन करे। NEP जोर देती है कि मूल्यांकन को मुख्य अवधारणाओं और मूल ज्ञान पर केंद्रित होना चाहिए, न कि केवल परिधीय तथ्यों पर।



### 3 उच्च-दबाव वाली परीक्षाओं पर कम ध्यान

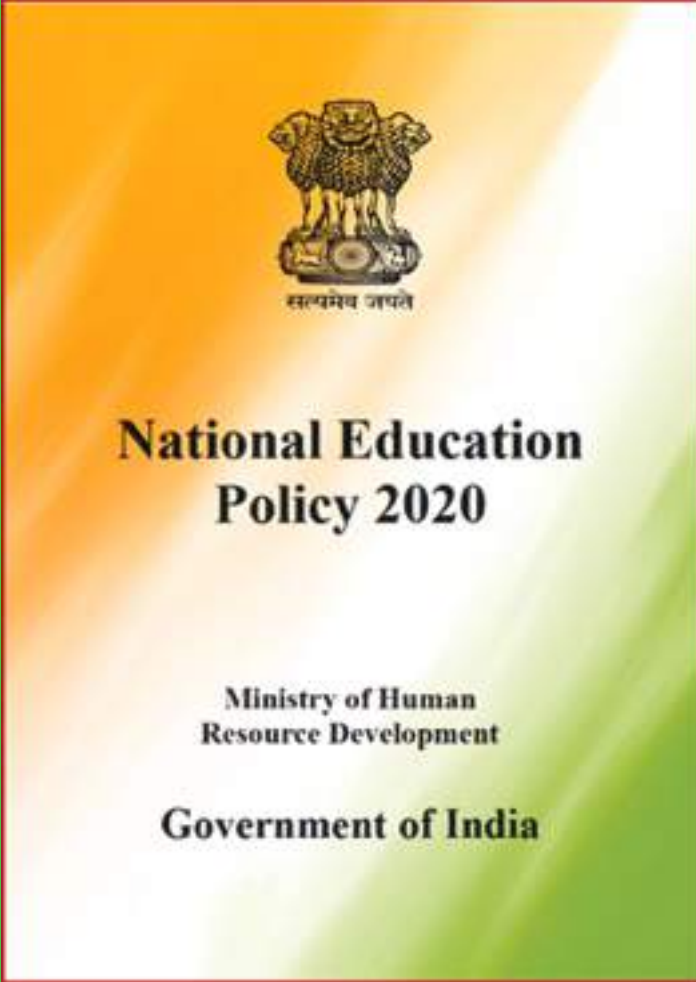
NEP द्वारा सुझाए गए अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक बोर्ड परीक्षाओं के उच्च-दबाव स्वरूप को कम करने का प्रयास है। परंपरागत रूप से, बोर्ड परीक्षाओं को छात्रों की क्षमताओं का अंतिम मापदंड माना गया है, जिससे छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। हालाँकि, NEP अमानती है कि यह प्रणाली अक्सर अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है और केवल परीक्षा पास करने के उद्देश्य से सतही अधिगम को प्रोत्साहित करती है। दो तरीके जिससे यह बदलाव प्राप्त किया जा सकता है- i) परीक्षाओं में योग्यता-आधारित प्रश्नों को एकीकृत करके, NEP छात्रों को अपने विषयों के साथ अधिक गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है और उच्च-स्तरीय सोच कौशल के विकास को बढ़ावा देता है और ii) कक्षा 3, 5, और 8 के लिए स्कूल-आधारित परीक्षाओं के साथ, पूरे वर्ष में विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन होते हैं। इन मूल्यांकनों को समय के साथ छात्रों की प्रगति की निगरानी करने के लिए तैयार किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है और छात्रों का

मूल्यांकन केवल एक उच्च-दबाव वाली परीक्षा के आधार पर नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, पुनः तैयार किए गए प्रगति कार्ड न केवल शैक्षणिक परिणामों पर बल्कि प्रमुख कौशल और दक्षताओं के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे, जिससे छात्र की क्षमताओं का अधिक समग्र दृष्टिकोण मिलेगा।

NEP द्वारा मूल्यांकन सुधारों पर यह केंद्रित ध्यान भारत की शिक्षा प्रणाली को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। NEP की सिफारिशों को अपनाते हुए, रटने और उच्च-दबाव वाली परीक्षाओं से हटकर, योग्यता-आधारित मूल्यांकन, अपरिचित संदर्भों, केस-आधारित प्रश्नों और तकनीक को अपनाना एक ऐसी प्रणाली का निर्माण कर सकता है, जो वास्तविक समझ को बढ़ावा दे और छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करे। अवधारणात्मक ज्ञान, उच्च-स्तरीय सोच कौशल और 21वीं सदी की योग्यताओं के परीक्षण पर जोर पारंपरिक तरीकों से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है और यह सुनिश्चित करने के व्यापक लक्ष्य के साथ संरेखित होता है कि छात्र केवल तथ्यों को सीखने के बजाय आवश्यक कौशल विकसित कर सकें, जो उन्हें बदलती दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करें।



# छात्र विकास के लिए मूल्यांकन का रूपांतरण



हमारी शिक्षा प्रणाली की संस्कृति में मूल्यांकन का उद्देश्य रटने की क्षमता का मूल्यांकन करने वाले एक समेकित दृष्टिकोण से बदलकर एक ऐसा दृष्टिकोण होगा जो अधिक नियमित और प्रगतिशील हो, योग्यताआधारित हो, छात्रों को समझकर सीखने और उनके समझ आधारित हो, छात्रों के विकास को बढ़ावा दे, और उच्च-स्तरीय कौशल जैसे विश्लेषण, आलोचनात्मक सोच और अवधारणात्मक स्पष्टता की परीक्षा ले। मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य वास्तव में सीखने के लिए होगा; यह शिक्षक, छात्र और पूरी स्कूली शिक्षा प्रणाली को शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को लगातार संशोधित करने में मदद करेगा ताकि सभी छात्रों के लिए सीखने और विकास को अनुकूलित किया जा सके। यह सभी स्तरों की शिक्षा में मूल्यांकन के लिए एक अंतर्निहित सिद्धांत होगा।

मौजूदा माध्यमिक स्कूल परीक्षाएँ, जिसमें बोर्ड परीक्षाएँ और प्रवेश परीक्षाएँ शामिल हैं, और उसके परिणामस्वरूप बनी कोचिंग संस्कृति, विशेष रूप से माध्यमिक विद्यालय स्तर पर, काफी नुकसान कर रही हैं। ये परीक्षाएँ सच्चे अधिगम के लिए मूल्यवान समय को अत्यधिक परीक्षा कोचिंग और तैयारी के साथ प्रतिस्थापित कर देती हैं। ये परीक्षाएँ छात्रों को भविष्य की शिक्षा प्रणाली के अनुरूप आवश्यक लचीलापन और विकल्प

की अनुमति देने के बजाय, एकल धारा में सामग्री के बहुत संकीर्ण दायरे को सीखने के लिए मजबूर करती हैं।

हालाँकि कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएँ जारी रहेंगी, मौजूदा बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं की प्रणाली को इस तरह से सुधारा जाएगा कि कोचिंग कक्षाओं की आवश्यकता समाप्त हो जाए। वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली के इन हानिकारक प्रभावों को उलटने के लिए, बोर्ड परीक्षाओं को समग्र विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पुनः तैयार किया जाएगा; छात्र अपनी व्यक्तिगत रुचियों के आधार पर उन विषयों का चयन करने में सक्षम होंगे जिनमें वे बोर्ड परीक्षा देना चाहते हैं। बोर्ड परीक्षाओं को 'आसान' भी बनाया जाएगा, इस अर्थ में कि वे मुख्य क्षमताओं/दक्षताओं का परीक्षण करेंगी, न कि महीनों की कोचिंग और रटने का। कोई भी छात्र, जिसने स्कूल की कक्षा में नियमित रूप से भाग लिया है और मूलभूत प्रयास किया है, अतिरिक्त प्रयास किए बिना संबंधित विषय की बोर्ड परीक्षा पास कर सकेगा और अच्छा प्रदर्शन कर सकेगा।

बोर्ड परीक्षाओं के 'उच्च दबाव' पहलू को और समाप्त करने के लिए, सभी छात्रों को किसी भी शैक्षणिक वर्ष के दौरान बोर्ड परीक्षाएँ दो अवसरों पर देने की अनुमति दी जाएगी: एक मुख्य परीक्षा और यदि इच्छित हो, तो एक सुधार परीक्षा।

-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020  
(विशेष जोर दिया गया)

# योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का क्या अर्थ होगा?

जबकि NEP राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 योग्यता-आधारित मूल्यांकन की बात करती है, यह इन मूल्यांकनों के स्वरूप के बारे में एक व्यापक सुझाव देती है, जिसका उद्देश्य रटने से हटकर सीखने की ओर बढ़ना है। योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव का अर्थ होगा -

## 1. अवधारणात्मक समझ को प्रोत्साहित करना, रटने से हटकर

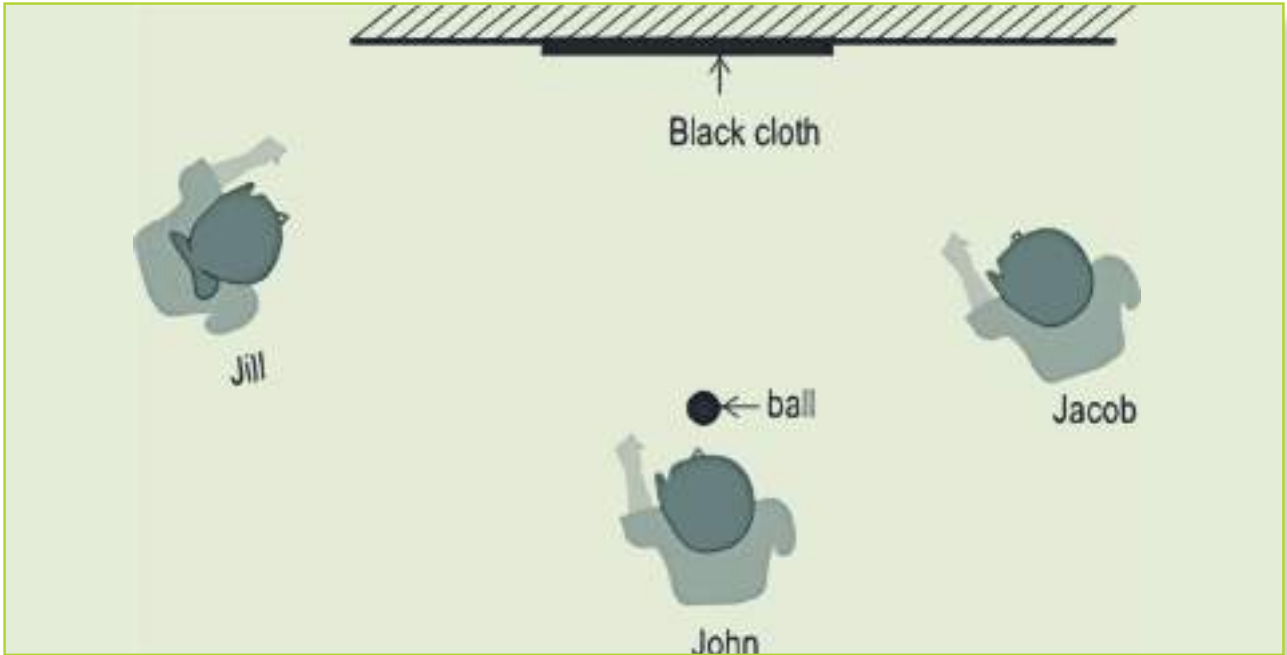
योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा ऐसे प्रश्नों को शामिल करना जो अवधारणाओं की समझ की जाँच करें, न कि केवल तथ्यों को याद करने की। ऐसे प्रश्न न केवल छात्रों के पास मौजूद ज्ञान को मापने का अच्छा तरीका हो सकते हैं, बल्कि यह भी प्रभावित कर सकते हैं कि छात्र क्या और कैसे पढ़ाई करते हैं और शिक्षक कैसे पढ़ाते हैं। ये प्रश्न इस बात पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करते हैं कि वास्तव में क्या सीखना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए, यहाँ दो प्रश्न दिए गए हैं। पहला प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र परावर्तन के नियमों को जानते हैं और उन्हें सही ढंग से याद कर सकते हैं। दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र दिए गए संदर्भ में परावर्तन के नियमों की अपनी समझ को लागू कर सकते हैं। योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा दूसरे प्रकार के प्रश्नों का अच्छा प्रतिनिधित्व।

परावर्तन के नियम बताइए।

vs

जेम्स ने एक बड़े समतल दर्पण के साथ एक प्रयोग किया। उसने दर्पण के सामने एक गेंद रखी और दर्पण के उस हिस्से को, जो गेंद के ठीक सामने था, एक काले कपड़े से ढक दिया। उसने अपने तीन दोस्तों जिल, जॉन और जैकब को दर्पण के सामने चित्र में दिखाए अनुसार खड़ा किया।



गेंद की छवि कौन देखेगा? एक चित्र बनाकर अपने उत्तर की पुष्टि करें।।

(पहले प्रश्न का स्रोत: एनसीईआरटी कक्षा 9 विज्ञान पाठ्यपुस्तक  
दूसरे प्रश्न का स्रोत: Ei ASSET)

## 2. मूल्यांकन में अपरिचित संदर्भों को अपनाना

योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा अपरिचित तरीके से प्रश्न पूछना, बजाय इसके कि सीधे पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य स्रोतों से प्रश्न लिए जाएँ या उनके प्रतिरूप का उपयोग किया जाए। ऐसे प्रश्न रटने/यांत्रिक अधिगम और समझ के साथ वास्तविक अधिगम के बीच अंतर कर सकते हैं।

उदाहरण के लिए, यहाँ दो प्रश्न दिए गए हैं। पहला प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र प्रायद्वीप (Peninsula) की परिभाषा जानते हैं या नहीं, जिसे वे वास्तव में

प्रायद्वीप का अर्थ समझे बिना भी दोहरा सकते हैं। दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र उन चिह्नित क्षेत्रों में समान विशेषताओं की पहचान कर सकते हैं। प्रायद्वीप की परिभाषा को पुनः प्रस्तुत करने के बजाय, प्रश्न का उत्तर देने के लिए उन्हें इस समझ का उपयोग करने की आवश्यकता है कि प्रायद्वीप का क्या अर्थ है, या यह एक द्वीपसमूह से कैसे भिन्न है या दिखाए गए क्षेत्रों की स्थलाकृति किस प्रकार की है। योग्यता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव का मतलब होगा दूसरे प्रकार के प्रश्नों का अच्छा प्रतिनिधित्व होना।

एक प्रायद्वीप की परिभाषा दें।

vs

निम्नलिखित मानचित्र में छायांकित सभी क्षेत्रों में समान विशेषता की पहचान करें।



- A. ये सभी प्रायद्वीप हैं।
- B. ये सभी द्वीपसमूह हैं।
- C. इन सभी की स्थलाकृति समान है।
- D. ये सभी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित हैं।

(दूसरे प्रश्न का स्रोत: कक्षा 8, SS, Ei ASSET)

### 3. प्रामाणिक, वास्तविक जीवन के संदर्भों पर ज़ोर देना

योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा ऐसे प्रश्नों का उपयोग करना जो प्रामाणिक, वास्तविक जीवन से संबंधित और संबंधित संदर्भ में हों। ऐसे प्रश्न सोचने को प्रेरित कर सकते हैं और उच्च-स्तरीय सोच कौशल, रणनीतियों और आदतों को विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

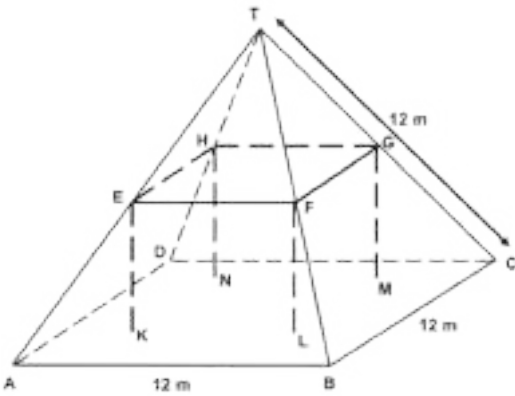
उदाहरण के लिए, यहाँ एक प्रश्न दिया गया है जो एक घर की पिरामिड-आकार की छत के वास्तविक जीवन

संदर्भ का उपयोग करता है। यह छत के आयामों को गणितीय रूप से वर्णित करता है। प्रश्न छात्रों से अपेक्षा करता है कि वे दी गई जानकारी को समझें और उत्तर तक पहुँचने के लिए इसे लागू करें। प्रश्न को हल करने के लिए उपयोग की जाने वाली संज्ञानात्मक प्रक्रिया उस तरीके के समान है जैसे कोई व्यावहारिक, वास्तविक जीवन की स्थिति में अपनी समझ को लागू करता है। योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बदलाव का अर्थ होगा ऐसे प्रश्नों का अच्छा प्रतिनिधित्व।

यहाँ आप एक फार्महाउस की तस्वीर देख सकते हैं, जिसकी छत पिरामिड के आकार की है।



नीचे फार्महाउस छत का एक छात्र द्वारा तैयार गणितीय मॉडल दिया गया है, जिसमें माप जोड़े गए हैं। मॉडल में अटारी तल (Attic Floor), ABCD, एक वर्ग है। छत को सहारा देने वाले बीम ब्लॉक (आयताकार प्रिज्म) EFGHKL MN की किनारे हैं। E, AT के मध्य में है; F, BT के मध्य में है; G, CT के मध्य में है; और H, DT के मध्य में है। मॉडल में पिरामिड की सभी किनारों की लंबाई 12 m है।



1. अटारी तल ABCD का क्षेत्रफल निकालें।

अटारी तल ABCD का क्षेत्रफल = \_\_\_\_\_ m<sup>2</sup>

2. ब्लॉक के एक क्षैतिज किनारे EF की लंबाई निकालें।

EF की लंबाई = \_\_\_\_\_ m

(स्रोत: PISA गणित साक्षरता आइटम)

- [https://nces.ed.gov/surveys/pisa/pdf/items2\\_math.pdf](https://nces.ed.gov/surveys/pisa/pdf/items2_math.pdf)



# लेकिन क्या मूल्यांकन से संबंधित ये बदलाव वास्तव में आवश्यक हैं?

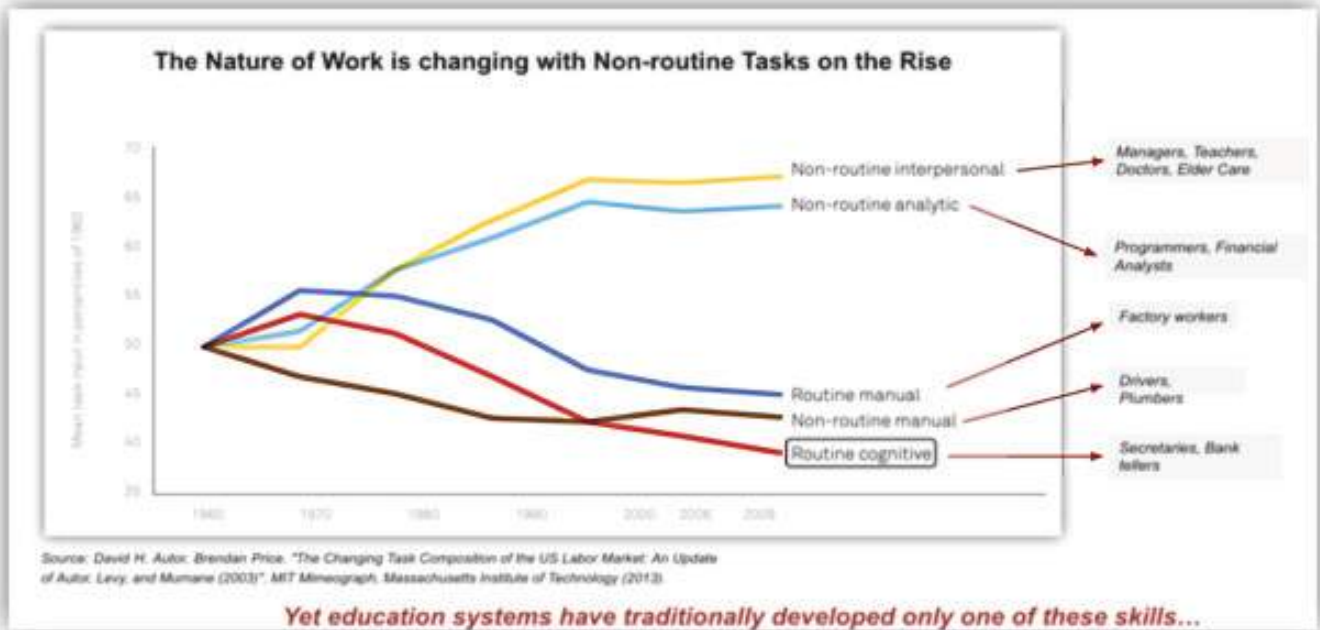
मूल्यांकन में सुधार की आवश्यकता इसलिए महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे भविष्य के लिए अच्छी तरह तैयार हों, विशेष रूप से तब, जब दुनिया प्रौद्योगिकी उन्नति से प्रेरित होकर तेज़ी से बदलाव का सामना कर रही है। वैश्विक नौकरी बाज़ार और सामाजिक अपेक्षाओं में हो रहे बदलाव यह माँग करते हैं कि शिक्षा प्रणाली विकसित हो और छात्रों को 21वीं सदी में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करे। .

## 1. कार्य की बदलती प्रकृति

पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को उस प्रकार की कार्यशक्ति के लिए तैयार करने के लिए तैयार किया गया था, जो मुख्य रूप से मैनुअल कार्यों पर आधारित थी। स्वचालन (Automation), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और अन्य तकनीकी नवाचारों के उदय ने कार्य की प्रकृति को बिल्कुल बदल दिया है। पहले के समय में जो नौकरियाँ सामान्य थीं और जिनमें लाखों लोग रूटीन, मैनुअल और दोहराव वाले कार्यों में नियोजित थे, वे तेज़ी से समाप्त हो रही हैं। इसके बजाय, नई नौकरियाँ उभर रही हैं जो कर्मचारियों से गैर-दोहराव वाले अंतर-व्यक्तिगत

और विश्लेषणात्मक कौशल की माँग करती हैं। उदाहरण के लिए, कारखानों में स्वचालन ने कई श्रमिकों को बेरोजगार बना दिया है; प्रौद्योगिकी-आधारित उपकरणों ने उन लोगों की संख्या कम कर दी है जो पहले बैंक टेलर या सचिव की भूमिका में नियुक्त होते थे। दूसरी ओर, ऐसी नौकरियाँ जिनमें रचनात्मक समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और दूसरों के साथ सहयोग करने की क्षमता की आवश्यकता होती है, अधिक प्रचलित हो रही हैं। प्रोग्रामर, वित्तीय विश्लेषक, प्रॉम्प्ट इंजीनियर और कई अन्य नौकरियाँ धीरे-धीरे बढ़ रही हैं।

## The Nature of Work is changing with Non-routine Tasks on the Rise



Source: David H. Autor, Brendan Price. "The Changing Task Composition of the US Labor Market: An Update of Autor, Levy, and Murnane (2003)." MIT Monograph, Massachusetts Institute of Technology (2013).

जबकि यह बदलाव नए अवसर प्रस्तुत करता है, यह एक महत्वपूर्ण चुनौती भी उत्पन्न करता है।

स्वचालन (Automation) से विस्थापित होने वाले कई व्यक्तियों के पास उन उभरती भूमिकाओं में स्थानांतरित होने के लिए आवश्यक कौशल नहीं है। उदाहरण के लिए, कॉल सेंटर कर्मचारियों ने भले ही उत्कृष्ट संचार

और ग्राहक सेवा कौशल विकसित किए हों, लेकिन उनके पास कंप्यूटर कोड लिखने या एआई सिस्टम के साथ काम करने के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता नहीं हो सकती। उचित शिक्षा और प्रशिक्षण के बिना, ये व्यक्ति-और आने वाली पीढ़ियाँ-विकसित होती वैश्विक अर्थव्यवस्था में पीछे रह जाने का जोखिम उठाते हैं।



## 2. छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना

दुनिया भर के देश इस बदलाव की आवश्यकता को पहचान रहे हैं और अपनी शैक्षिक और मूल्यांकन प्रणालियों में सुधार के लिए कदम उठा रहे हैं। PISA (छात्रों के आंकलन का अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम), जो 15 वर्षीय छात्रों की अवधारणाओं को वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने की क्षमता की जाँच करते हैं, यह मापते हैं कि उनकी शैक्षिक प्रणालियाँ छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए कितनी अच्छी तरह तैयार कर रही हैं। ये मूल्यांकन छात्रों की वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में अपने ज्ञान को लागू करने की क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इस तरह के कौशल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ अनुकूलता और जीवन भर सीखने की क्षमता सफलता की कुंजी है, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

### 3. 21 वीं सदी के कौशल का महत्व

“21वीं सदी के कौशल” इस वाक्यांश का तात्पर्य उन दक्षताओं के समूह से है जिन्हें आधुनिक दुनिया में सफलता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इनमें आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, सहयोग, संचार और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल शामिल हैं। कार्यस्थल में आवश्यक ये कौशल विकसित हो रहे हैं, और छात्रों को इन परिवर्तनों में अपना मार्ग तय करने के लिए उपकरणों से लैस करने की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, एआई और मशीन लर्निंग अब कई उद्योगों का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, और इन तकनीकों को समझने और इनके साथ काम करने की

क्षमता भविष्य की पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा, जैसे-जैसे दुनिया अधिक जुड़ी हुई होती जा रही है, सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं के पार सहयोग करने की क्षमता और भी महत्वपूर्ण हो रही है। शैक्षिक प्रणालियों को इन कौशलों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र न केवल गुज़ारा कर सकें, बल्कि तेज़ी से बदलती दुनिया में फल-फूल सकें।



### 4. शैक्षिक सुधारों में मूल्यांकन की भूमिका

मूल्यांकन, शैक्षिक परिणामों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंपरागत रूप से, मूल्यांकन, छात्रों की जानकारी को याद रखने और मानकीकृत परीक्षाओं पर अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को मापने पर केंद्रित रहा है। हालाँकि, इस प्रकार के मूल्यांकन उन कौशलों को अनिवार्य रूप से प्रतिबिंबित नहीं करते जो छात्रों को कार्यस्थल में आवश्यक होंगे। जैसे-जैसे कार्य की प्रकृति विकसित होती है, वैसे-वैसे हमें छात्रों की क्षमताओं का आकलन करने के तरीके को भी बदलना होगा।

21वीं सदी के कौशलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मूल्यांकन में सुधार आवश्यक है। मुख्य रूप से स्मरण

पर जोर देने की जगह, समस्या-समाधान, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने से, शिक्षक छात्रों को आधुनिक दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरणों से बेहतर ढंग से सुसज्जित कर सकते हैं। इसके अलावा, ज्ञान के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करने वाले मूल्यांकन छात्रों को नई चुनौतियों के अनुकूल होने और अपने जीवन भर सीखने की क्षमता विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

विभिन्न देशों ने सफलतापूर्वक शैक्षिक सुधार लागू किए हैं और अपने मूल्यांकन प्रणालियों में भी बदलाव किए हैं। उदाहरण के लिए, शैक्षिक नवाचार में अग्रणी फिनलैंड ने पारंपरिक परीक्षाओं से हटकर परियोजना-आधारित अधिगम और मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया है, जो छात्रों की व्यावहारिक तरीकों से अपने ज्ञान को लागू करने की क्षमता को मापता है। इसी तरह, सिंगापुर और कनाडा जैसे देशों ने अपने मूल्यांकनों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता पर जोर देते हुए सुधार लागू किए हैं।

मूल्यांकन में इन बदलावों को लागू करने के लिए समय तेज़ी से समाप्त हो रहा है। तकनीकी प्रगति की तीव्र गति का मतलब है कि कल के कार्यस्थल आज के कार्यस्थलों से बहुत अलग दिखेगा। यदि शिक्षा प्रणालियाँ अनुकूल नहीं होती हैं, तो यह जोखिम है कि कई छात्र भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार नहीं रह जाएँगे।

यह तात्कालिकता इस तथ्य से और बढ़ गई है कि इन परिवर्तनों के परिणामस्वरूप आर्थिक असमानताएँ बढ़ सकती हैं। नई



प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न धन कुछ उच्च-तकनीकी केंद्रों में केंद्रित हो सकता है, जबकि विकासशील देशों को इसे बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना कि सभी छात्रों को, उनकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच मिले जो उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है, इन असमानताओं को बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक है। शैक्षिक मूल्यांकन में सुधार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि छात्र काम की तेज़ी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से लैस हों। जैसे-जैसे नियमित कार्य तेज़ी से स्वचालित होते जाएँगे, गैर-नियमित, विश्लेषणात्मक और पारस्परिक कौशल की माँग बढ़ती रहेगी। शिक्षा प्रणालियों को अपना ध्यान स्मरण और रटने से हटाकर आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित करके इन परिवर्तनों के अनुकूल होना चाहिए।



21वीं सदी के कौशलों और ज्ञान के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करके सुधार लागू करना शिक्षकों को छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करेगा। इसके अलावा, इन कौशलों को मापने के लिए मूल्यांकन प्रणालियों में सुधार करके, देश यह सुनिश्चित

कर सकते हैं कि उनकी शैक्षिक प्रणालियाँ वास्तव में भविष्य के लिए तैयार हैं।


## मुख्य निष्कर्ष:



- योग्यता-आधारित मूल्यांकन सीखने के लिए एक नई ताजगी की तरह है! यह दृष्टिकोण तथ्यों और सूत्रों को याद करने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, विषय-वस्तु को समझने, आलोचनात्मक सोचने और अपने ज्ञान को लागू करने में मदद करता है।
- अब यह केवल परीक्षा के लिए रटने का मामला नहीं है; बल्कि, यह छात्रों को उन कौशलों से लैस करने के बारे में है जिनका वे वास्तविक जीवन में उपयोग करेंगे।
- बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) के साथ भी मेल खाता है, जो छात्रों को केवल परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने पर जोर देती है।
- योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़कर, हम छात्रों को उन कौशलों की नींव बनाने में मदद कर रहे हैं, जिन पर वे भरोसा कर सकते हैं, जैसे कि विश्लेषण करना, समस्याओं का समाधान निकालना, और रचनात्मक तरीके से सोचना।
- इसके अलावा, यह एक बेहतरीन तरीका है छात्रों को यह दिखाने की पढ़ाई केवल परीक्षा देने के लिए नहीं है बल्कि पढ़े गए विषयों को समझने व उनका प्रयोग करके के बारे में है।

FROM THE AUTHOR OF SAPIENS

**Yuval Noah  
Harari**



**21 Lessons  
for the  
21<sup>st</sup> Century**

“आज लाखों बांग्लादेशी शर्ट का उत्पादन करके और उन्हें अमेरिका के ग्राहकों को बेचकर अपनी आजीविका कमाते हैं, जबकि बेंगलुरु में लोग कॉल सेंटरों में काम करके अमेरिकी ग्राहकों की शिकायतों का निवारण करके अपनी जीविका चलाते हैं।

फिर भी, जैसे-जैसे एआई, रोबोट और 3-डी प्रिंटर का उदय हो रहा है, सस्ते और अकुशल श्रमिकों का महत्व काफी कम हो रहा है। ढाका में एक शर्ट बनाने और उसे अमेरिका तक शिप करने के बजाय, आप अमेज़न से ऑनलाइन शर्ट का कोड खरीद सकते हैं और न्यूयॉर्क में उसे प्रिंट कर सकते हैं। फिफ्थ एवेन्यू पर ज़ारा और प्राडा के स्टोरों की जगह ब्रुकलिन में 3-डी प्रिंटिंग सेंटर ले सकते हैं और कुछ लोगों के पास अपने घर में भी प्रिंटर हो सकता है। साथ ही, अपने प्रिंटर की शिकायत के लिए बेंगलुरु के ग्राहक सेवा केंद्र को कॉल करने के बजाय, आप गूगल क्लाउड में एक एआई प्रतिनिधि से बात कर सकते हैं (जिसकी उच्चारण शैली और आवाज़ का लहजा आपकी पसंद के अनुसार अनुकूलित होगा)। नए बेरोजगार श्रमिक और ढाका और बेंगलुरु के कॉल सेंटर ऑपरेटरों के पास न तो फैशनबल शर्ट डिज़ाइन करने और न ही कंप्यूटर कोड लिखने के लिए आवश्यक शिक्षा है - तो वे कैसे जीवित रहेंगे?

यदि एआई और 3-डी प्रिंटर वास्तव में बांग्लादेशियों और बेंगलुरु के लोगों की जगह ले लेते हैं, तो जो राजस्व पहले दक्षिण एशिया में आता था, वह अब कैलिफोर्निया के कुछ टेक-जायंट्स के खज़ानों में भर जाएगा। आर्थिक विकास के माध्यम से पूरी दुनिया में हालात बेहतर होने के बजाय, हम यह देख सकते हैं कि सिलिकॉन वैली जैसे हाई-टेक हब में अपार नई संपत्ति का निर्माण हो रहा है, जबकि कई विकासशील देश गिरावट का सामना कर रहे हैं।

बेशक, कुछ उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएँ - जिनमें भारत और बांग्लादेश शामिल हैं - इतनी तेज़ी से प्रगति कर सकती हैं कि वे विजयी टीम में शामिल हो सकें। पर्याप्त समय मिलने पर, कपड़ा श्रमिकों और कॉल सेंटर ऑपरेटरों के बच्चे या पोते वे इंजीनियर और उद्यमी बन सकते हैं, जो कंप्यूटर और 3-डी प्रिंटर बनाते और उनका स्वामित्व रखते हैं। लेकिन ऐसा परिवर्तन लाने का समय तेज़ी से समाप्त हो रहा है।

यूवल नोआ हरारी '21वीं सदी के लिए 21 पाठ' से  
(विशेष ज़ोर दिया गया)

# योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझना

## मूल्यांकन में अच्छे प्रश्नों की भूमिका

प्रश्न किसी भी अच्छे मूल्यांकन का केंद्र होते हैं, और प्रश्नों की गुणवत्ता यह तय करती है कि उन प्रश्नों से प्राप्त डेटा के आधार पर कितनी अच्छी अंतर्दृष्टि प्राप्त हो सकती है। एक अच्छा प्रश्न वह है जो बच्चे को गहराई से सोचने और सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे प्रश्न पूछने की क्षमता, जो छात्रों को शिक्षण और मूल्यांकन दोनों समय पर सोचने के लिए प्रेरित करे, एक अच्छे शिक्षक की पहचान है। एक सही तरीके से तैयार किया गया प्रश्न शिक्षक को छात्रों की सोचने की प्रक्रिया और यह समझने में मदद कर सकता है कि एक बच्चे ने किसी अवधारणा को कितनी अच्छी तरह आत्मसात किया है या किस कौशल में महारत हासिल की है।

प्रश्न निम्नलिखित कारणों से बहुत महत्वपूर्ण हैं:

1. अच्छे प्रश्न यह प्रभावित कर सकते हैं कि छात्र कैसे सीखते हैं - सही प्रकार के प्रश्न सोचने को प्रेरित करते हैं।

आइए निम्नलिखित दो प्रश्नों पर विचार करें:

दोनों प्रश्न 'चंद्रमा के चरणों' की अवधारणा से संबंधित हैं। मुख्य अंतर यह है कि पहला प्रश्न केवल यह जाँचता है कि छात्र चंद्रमा के चरणों के नाम 'जानता' है या नहीं, जबकि दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि छात्र यह 'समझता' है कि चंद्रमा के विभिन्न चरण क्यों दिखाई देते हैं। पहले प्रश्न में कोई समस्या नहीं है, लेकिन यह केवल स्मरण को जाँचता है; छात्र को या तो उत्तर पता होगा या फिर

नहीं। दूसरी ओर, दूसरा प्रश्न छात्रों के सीखने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। भले ही छात्र को उत्तर न पता हो, यह सोचने को प्रेरित कर सकता है और विचारों की एक श्रृंखला को जन्म दे सकता है। यह छात्रों को चंद्रमा के घटने-बढ़ने के कारण पर एक परिकल्पना बनाने में मदद कर सकता है।

चंद्रमा के उस चरण का नाम बताइए जिसमें वह पूरी तरह से गोल दिखाई देता है।

vs

हम चंद्रमा के अलग-अलग चरण क्यों देखते हैं?



2.अच्छे प्रश्न यांत्रिक अधिगम और समझ के साथ वास्तविक अधिगम के बीच अंतर कर सकते हैं।

आइए निम्नलिखित दो प्रश्नों पर विचार करें:

Which of the following is an obtuse angle?



Which angle has the greatest degree measure?



(दूसरे प्रश्न का स्रोत: कक्षा 6, गणित, Ei ASSET)

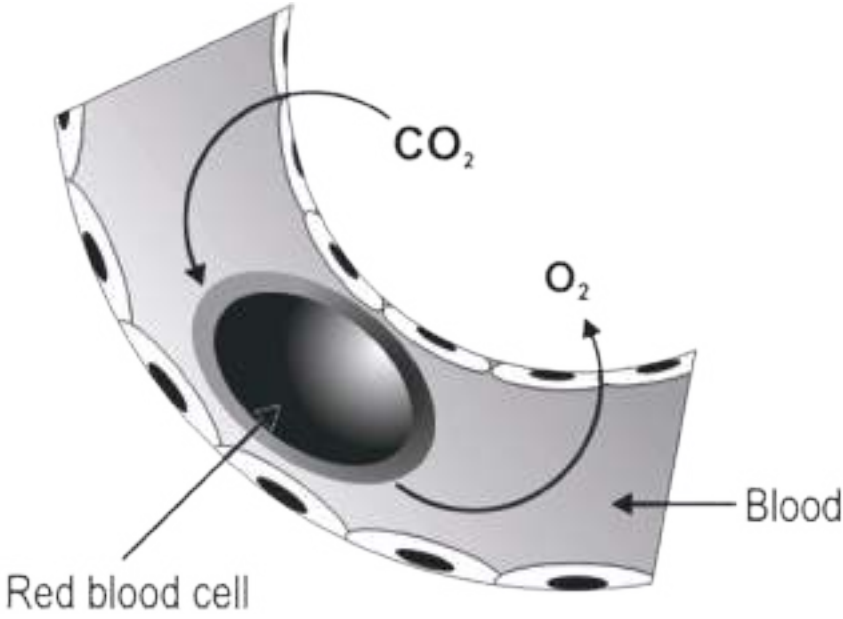
दोनों प्रश्न 'कोणों की अवधारणा से संबंधित हैं। पहला प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र जानते हैं कि 'अधिक कोण (Obtuse Angle) का क्या अर्थ है और क्या वे अधिक कोण की पहचान कर सकते हैं, जबकि दूसरा प्रश्न यह जाँचता है कि क्या छात्र कोण की अवधारणा को समझते हैं और सबसे बड़े डिग्री माप वाले कोण की पहचान कर सकते हैं। एक सूक्ष्म अंतर विकल्पों की व्यवस्था में है। पहले प्रश्न में, सभी कोण क्षैतिज आधार (Horizontal Base) पर रखे गए हैं, जबकि दूसरे प्रश्न में, कोण विभिन्न अभिविन्यास (Orientations) में रखे गए हैं और उनकी भुजाओं की लंबाई भी भिन्न है। पहले प्रश्न में, एक छात्र यह याद कर सकता है कि अधिक कोण क्या है और दिए गए विकल्पों के माध्यम से केवल

'अधिक कोण' शब्द को सही 'चित्र' से मिलाकर उत्तर दे सकता है, भले ही वह यह न समझता हो कि 'अधिक' का अर्थ क्या है या 'कोण' का मतलब क्या है। दूसरी ओर, दूसरे प्रश्न का केवल तब ही उत्तर दिया जा सकता है जब छात्र यह समझते हों कि 'कोण' का मतलब क्या है। दूसरे प्रश्न पर प्राप्त डेटा यह प्रकट करता है कि कई छात्र 'कोण' का अर्थ नहीं समझते और विभिन्न भांतियाँ रखते हैं, जैसे कि कोण की भुजाएँ जितनी लंबी होंगी, उसका माप उतना ही बड़ा होगा। दूसरे प्रश्न जैसा एक अच्छा प्रश्न ही यह अंतर कर सकता है कि क्या छात्र ने वास्तव में अवधारणा को समझा है या केवल रटकर इसे याद किया है।

3. अच्छे भ्रान्त धारणाओं और सामान्य त्रुटियों को पकड़ सकते हैं।

आइए निम्नलिखित प्रश्न पर विचार करें।

नीचे मानव शरीर में हो रही एक प्रक्रिया को एक चित्र के रूप में दिया गया है।



यह इनमें से किस हिस्से/अंग में हो सकती है?



फेफड़े



2. हृदय



3. मस्तिष्क

- A. केवल 1 में
- B. केवल 2 में
- C. केवल 2 और 3 में
- D. सभी में - 1, 2 और 3

(स्रोत: कक्षा 8, विज्ञान, Ei ASSET)

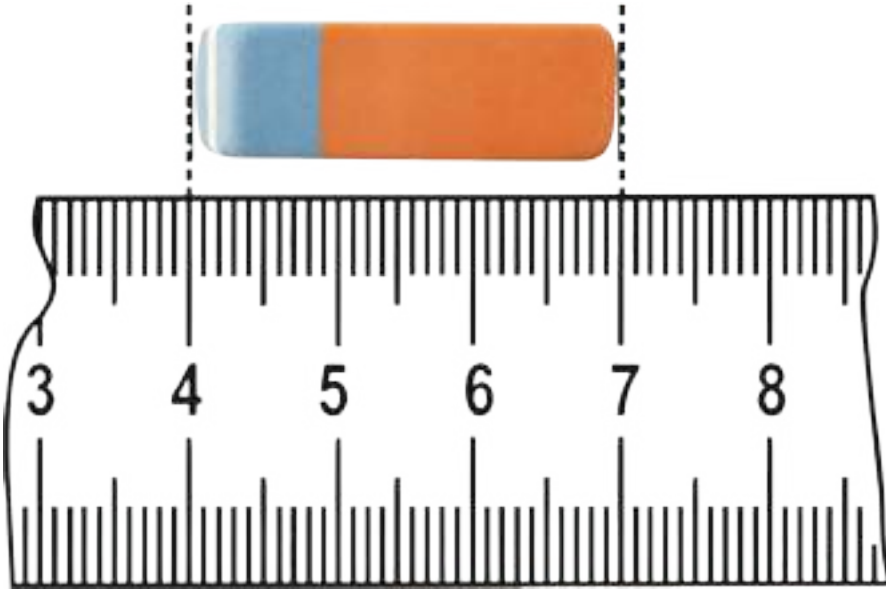
हालाँकि विकल्प D सही उत्तर है, कई छात्र विकल्प A या विकल्प B का चयन करते हैं, जो उनकी यह भ्रान्त धारणा दर्शाता है कि गैसीय विनिमय केवल कुछ निश्चित अंगों में होता है। वे यह नहीं समझते कि यह प्रक्रिया शरीर के सभी हिस्सों में होती है। गलत विकल्पों (distractors) के चयन के आधार पर, अच्छे प्रश्नों का उपयोग करके विभिन्न भ्रान्त धारणाओं और सोचने के तरीकों को पहचाना जा सकता है।



4. अच्छे प्रश्न इस बात पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं कि छात्र वास्तव में क्या सीख रहे हैं।

आइए निम्नलिखित प्रश्न पर विचार करें।

साहिल ने अपनी रबर की लंबाई मापने के लिए एक टूटी हुई स्केल का उपयोग किया, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।



रबर की लंबाई कितनी है?

- A. 3 cm
- B. 4 cm
- C. 7 cm
- D. (एक टूटी हुई स्केल से लंबाई मापी नहीं जा सकती।)

(स्रोत: कक्षा 5, गणित, Ei ASSET)

ऊपर दिखाए गए प्रश्न जैसे प्रश्न यह जाँचने का एक बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकते हैं कि छात्र वास्तव में यह समझते हैं या नहीं कि लंबाई क्या है और यह कैसे मापी जाती है। यह लंबाई मापने के लिए पूछे जाने वाले सामान्य पाठ्यपुस्तक प्रश्न से भिन्न है क्योंकि - i) वस्तु 0 से शुरू नहीं हो रही है, और ii) स्केल टूटी हुई दिखाई जा रही है। टूटी हुई स्केल का उपयोग जानबूझकर यह जाँचने के लिए किया गया है कि क्या छात्रों में यह भांति है कि एक टूटी हुई स्केल से लंबाई मापी नहीं जा सकती। कई छात्र बिंदुओं (4, 5, 6, 7) को अलग-अलग गिनते हैं, बजाय बिंदुओं के बीच की दूरी (4-5, 5-6, 6-7) को मापने के, और इसलिए गलत उत्तर B, 4 cm पर पहुँच जाते हैं। इस तरह से प्रश्न पूछने में एक साधारण बदलाव, जैसा कि ऊपर दिखाया गया है, यह प्रकट कर सकता है कि छात्र वास्तव में क्या सीख रहे हैं।

अच्छी तरह से तैयार किए गए मूल्यांकन अपरिचित लेकिन सरल तरीके से मौलिक समझ की परीक्षा लेते हैं और यह जानने की कोशिश करते हैं कि छात्र कैसे सोचते हैं। ये छात्रों में सोचने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित कर सकते हैं और उन्हें एक नया और अनूठा तरीका प्रदान कर सकते हैं जिससे वे स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल प्रमुख अवधारणाओं को जाँच सकते हैं।

विशेष रूप से विश्लेषण के उद्देश्य से तैयार किए गए प्रश्नों से यह पता लगाने में मदद मिलती है कि किसी दिए गए विषय के विशिष्ट क्षेत्रों को पर्याप्त रूप से समझा गया है या नहीं और साथ ही भांत धारणाओं का पता लगाया जा सकता है।

## योग्यता-आधारित प्रश्नों की पहचान कैसे करें?

यह आवश्यक है कि एक प्रश्न पत्र में ऐसे प्रश्न हों जो किसी अवधारणा की वास्तविक समझ की जाँच कर सकें। यह त्रुटि-मुक्त प्रश्नों के माध्यम से किया जा सकता है, जो प्रमुख विचारों का परीक्षण करने के लिए तैयार किए गए हों, अपरिचित तरीके से तैयार किए गए हों, या महत्वपूर्ण अवधारणाओं की परीक्षा लेने के लिए प्रामाणिक या वास्तविक जीवन के संदर्भों का उपयोग करते हों, और जिनमें अवांछनीय कठिनाइयाँ न हों। बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) के मामले में, इनमें अच्छे डिस्ट्रैक्टर (गलत उत्तर) होने चाहिए, जो छात्रों

की भ्रान्त धारणाओं को पकड़ सकें। इन प्रश्नों को दक्षता-आधारित प्रश्न के रूप में समझा जा सकता है।

योग्यता-आधारित प्रश्नों का उद्देश्य छात्रों की व्यावहारिक, वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में अपने ज्ञान को लागू करने की क्षमता को मापना है, जिससे विषय की गहरी समझ को प्रोत्साहन मिलता है। ये रटने से परे जाते हैं और छात्रों को सोचने के कौशल में संलग्न करते हैं, जैसे स्मरण करना, समझना, लागू करना, और अवधारणाओं का मूल्यांकन करना ताकि सही उत्तर तक पहुँचा जा सके।



यहाँ एक चेकलिस्ट दी गई है जो योग्यता-आधारित प्रश्न की पहचान के लिए उपयोग की जा सकती है।

#	पैरामीटर	उपस्थित/अनुपस्थित
1.	क्या यह प्रश्न मौलिक है और पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य बाहरी स्रोतों के किसी भी प्रश्न से बिल्कुल समान (सटीक समान) नहीं है?	✓
2.	क्या यह प्रश्न त्रुटि-मुक्त है?	✓
3.	क्या यह प्रश्न एक प्रमुख अवधारणा को जाँच रहा है?	✓
4.	क्या इस प्रश्न का रूप अपरिचित है?	✓
5.	यदि यह प्रश्न किसी संदर्भ/परिस्थिति पर आधारित है, तो क्या उपयोग किया गया संदर्भ प्रामाणिक है?	✓
6.	यदि यह एक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है, तो क्या इसमें अच्छे गलत विकल्प हैं जो अवधारणा के प्रति छात्र की भ्रान्त धारणा को पकड़ सकते हैं?	✓

यहाँ कुछ उदाहरण दिए गए हैं जो योग्यता-आधारित प्रश्न हैं और जो नहीं हैं।

### उदाहरण 1

II Both the texts, 'For Anne Gregory' and 'The Sermon at Benares,' grapple with the idea that external attributes are fleeting and subject to decay. Examine the similarities.

#	पैरामीटर	उपस्थित/ अनुपस्थित
1.	क्या यह प्रश्न मौलिक है और पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य बाहरी स्रोतों के किसी भी प्रश्न से बिल्कुल समान (सटीक समान) नहीं है?	✓
2.	क्या यह प्रश्न त्रुटि-मुक्त है?	✓
3.	क्या यह प्रश्न एक प्रमुख अवधारणा की परीक्षा ले रहा है?	✓
4.	क्या यह प्रश्न अपरिचित तरीके से तैयार किया गया है?	✓
5.	यदि यह प्रश्न किसी संदर्भ/परिस्थिति पर आधारित है, तो क्या उपयोग किया गया संदर्भ प्रामाणिक है?	NA
6.	यदि यह एक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है, तो क्या इसमें अच्छे गलत विकल्प हैं जो अवधारणा के प्रति छात्र की गलतफहमी को पकड़ सकते हैं?	NA

यह प्रश्न अपरिचित तरीके से अध्ययन किए गए साहित्यिक ग्रंथों के एक प्रमुख पहलू का परीक्षण कर रहा है। उपरोक्त पैरामीटर के आधार पर, इसे एक योग्यता-आधारित प्रश्न माना जा सकता है।

स्रोत: कक्षा 10, अंग्रेजी, सीबीएसई SQP 2024-2025

### उदाहरण 2

(b) What is Lanthanoid contraction?

स्रोत: कक्षा 12, रसायन विज्ञान, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024-2025

#	पैरामीटर	उपस्थित/ अनुपस्थित
1.	क्या यह प्रश्न मौलिक है और पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य बाहरी स्रोतों के किसी भी प्रश्न से बिल्कुल समान (सटीक समान) नहीं है?	✗
2.	क्या यह प्रश्न त्रुटि-मुक्त है?	✓
3.	क्या यह प्रश्न एक प्रमुख अवधारणा की परीक्षा ले रहा है?	✓
4.	क्या यह प्रश्न अपरिचित तरीके से तैयार किया गया है?	✗
5.	यदि यह प्रश्न किसी संदर्भ/प्रकरण पर आधारित है, तो क्या उपयोग किया गया संदर्भ प्रामाणिक है?	NA
6.	यदि यह एक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है, तो क्या इसमें अच्छे गलत विकल्प हैं जो अवधारणा के प्रति छात्र की गलतफहमी को पकड़ सकते हैं?	NA

यह प्रश्न पाठ्यपुस्तक में देखे गए एक प्रश्न के समान है। इस कारण से, प्रश्न छात्रों के लिए परिचित हो जाता है। ऐसे प्रश्न रटने को प्रोत्साहित करने की संभावना रखते हैं। इसलिए, यह एक योग्यता-आधारित प्रश्न नहीं है।

8.7 What is lanthanoid contraction?

स्रोत: एनसीईआरटी : पृष्ठ 241, प्रश्न 8.7

[https://images.collegedunia.com/public/image/CBSE\\_Class\\_12\\_Chemistry\\_Question\\_Paper\\_2024\\_Set\\_1\\_56\\_4\\_1\\_05547ee69656c1129aa6f3d65dbc72ce.pdf](https://images.collegedunia.com/public/image/CBSE_Class_12_Chemistry_Question_Paper_2024_Set_1_56_4_1_05547ee69656c1129aa6f3d65dbc72ce.pdf)

### उदाहरण 3

#### The world beyond the palace

Just as the Buddha's teachings were compiled by his followers, the teachings of Mahavira were also recorded by his disciples. These were often in the form of stories, which could appeal to ordinary people. Here is one example, from a Prakrit text known as the Uttaradhyayana Sutta, describing how a queen named Kamalavati tried to persuade her husband to renounce the world: If the whole world and all its treasures were yours, you would not be satisfied, nor would all this be able to save you. When you die, O king and leave all things behind, dhamma alone, and nothing else, will save you. As a bird dislikes the cage, so do I dislike (the world). I shall live as a nun without offspring, without desire, without the love of gain, and without hatred... Those who have enjoyed pleasures and renounced them, move about like the wind, and go wherever they please, unchecked like birds in their flight... Leave your large kingdom... abandon what pleases the senses, be without attachment and property, then practise severe penance, being firm of energy...

#### 31.1 Identify the person who persuaded the king to renounce the world.

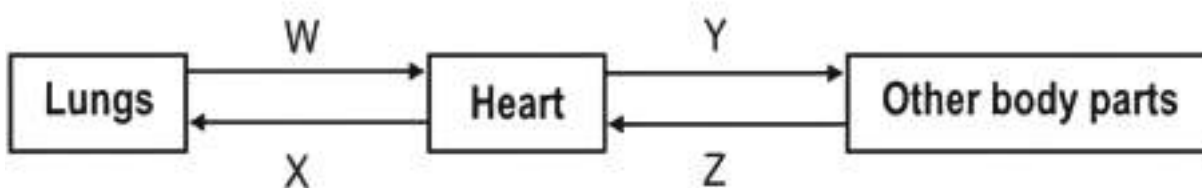
स्रोत: कक्षा 12, इतिहास, सीबीएसई SQP 2023

#	पैरामीटर	उपस्थित/ अनुपस्थित
1.	क्या यह प्रश्न मौलिक है और पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य बाहरी स्रोतों के किसी भी प्रश्न से बिल्कुल समान (सटीक समान) नहीं है?	✓
2.	क्या यह प्रश्न त्रुटि-मुक्त है?	✓
3.	क्या यह प्रश्न एक प्रमुख अवधारणा की परीक्षा ले रहा है?	✗
4.	क्या यह प्रश्न अपरिचित तरीके से तैयार किया गया है?	✗
5.	यदि यह प्रश्न किसी संदर्भ/प्रकरण पर आधारित है, तो क्या उपयोग किया गया संदर्भ प्रामाणिक है?	✓
6.	यदि यह एक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है, तो क्या इसमें अच्छे गलत विकल्प हैं जो अवधारणा के प्रति छात्र की गलतफहमी को पकड़ सकते हैं?	NA

यह प्रश्न छात्रों से उस व्यक्ति की पहचान करने के लिए कहता है जिसका उल्लेख पहले ही अंश में किया गया है। यह एक साधारण विवरण की परीक्षा ले रहा है क्योंकि यह प्रश्न किसी भी प्रमुख ऐतिहासिक अवधारणा पर छात्र की समझ को पकड़ने में मदद नहीं करता। इसलिए, यह एक योग्यता-आधारित प्रश्न नहीं है।

## उदाहरण 4

In the drawing below W, X, Y and Z represent blood vessels.



Which of these blood vessels represent veins?

- A. Only Z
- B. Only X
- C. Only W and Z
- D. Only X and Z

स्रोत: कक्षा 12, ASSET, विज्ञान 2012

#	पैरामीटर	उपस्थित/ अनुपस्थित
1.	क्या यह प्रश्न मौलिक है और पाठ्यपुस्तक, पिछले प्रश्न पत्रों या अन्य बाहरी स्रोतों के किसी भी प्रश्न से बिल्कुल समान (सटीक समान) नहीं है?	✓
2.	क्या यह प्रश्न त्रुटि-मुक्त है?	✓
3.	क्या यह प्रश्न एक प्रमुख अवधारणा की परीक्षा ले रहा है?	✓
4.	क्या यह प्रश्न अपरिचित तरीके से तैयार किया गया है?	✓
5.	यदि यह प्रश्न किसी संदर्भ/प्रकरण पर आधारित है, तो क्या उपयोग किया गया संदर्भ प्रामाणिक है?	NA
6.	यदि यह एक बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) है, तो क्या इसमें अच्छे गलत विकल्प हैं जो अवधारणा के प्रति छात्र की गलतफहमी को पकड़ सकते हैं??	✓

यह प्रश्न छात्रों से विभिन्न लेबल किए गए भागों में से शिराओं (veins) की पहचान करने के लिए कहता है। यह एक प्रमुख अवधारणा की अपरिचित तरीके से परीक्षा लेता है, क्योंकि छात्रों ने संभवतः पहले यह चित्र नहीं देखा होगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक गलत विकल्प, यदि छात्र द्वारा चुना जाता है, तो यह छात्र की शिराओं और धमनियों (arteries) की समझ के संबंध में किसी भ्रान्त धारणा को इंगित कर सकता है। इसलिए, यह एक योग्यता-आधारित प्रश्न है।

## मुख्य निष्कर्ष:



- अच्छे प्रश्न एक शक्तिशाली उपकरण हैं!
- केवल यह जाँचने के बजाय कि छात्र क्या याद रखते हैं, योग्यता-आधारित प्रश्न यह देखने में मदद करते हैं कि वे वास्तव में वे क्या समझते हैं।
- इन प्रश्नों को छोटी-छोटी चुनौतियों की तरह सोचें, जिनमें छात्रों को केवल तथ्य याद करने के बजाय अपने ज्ञान को लागू करना होता है।
- एक अच्छा प्रश्न वास्तविक जीवन के उदाहरण या ऐसी स्थिति को शामिल कर सकता है, जो छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने की आवश्यकता देती है और शिक्षकों को छात्रों की सोचने की प्रक्रिया को समझने का अवसर देती है।
- ये प्रश्न छात्रों में सामान्य भांतियों को भी उजागर कर सकते हैं, जिससे शिक्षकों को यह समझने में मदद मिलती है कि छात्रों को किन क्षेत्रों में थोड़ा और मार्गदर्शन चाहिए।
- अब अगर आप सोच रहे हैं कि इन प्रश्नों को कैसे बनाया जाए, तो इस मार्गदर्शिका में एक चेकलिस्ट शामिल है!
- मार्गदर्शिका यह सुनिश्चित करने में अत्यधिक सहायक है कि प्रत्येक प्रश्न सही दिशा में है, प्रमुख अवधारणाओं को कवर कर रहा है और पाठ्यपुस्तक के सामान्य शब्दों पर निर्भर नहीं है।



# योग्यता-आधारित प्रश्नों को छात्रों के लिए प्रस्तुत करना और उनकी चिंता कम करना

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव, पारंपरिक परीक्षाओं से हटकर, इस बात में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है कि छात्रों का मूल्यांकन कैसे किया जाता है। यह समझा जा सकता है कि यह बदलाव छात्रों के बीच चिंता पैदा कर सकता है, क्योंकि उन्हें ऐसा महसूस हो सकता है कि वे इस नए प्रकार के मूल्यांकन के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। हालाँकि, सही रणनीतियों के साथ, शिक्षक न केवल इस बदलाव को सहज बना सकते हैं, बल्कि अधिगम का ऐसा वातावरण भी विकसित कर सकते हैं जहाँ छात्र योग्यता-आधारित प्रश्नों को विकास के अवसर के रूप में देखें, न कि एक बाधा के रूप में। यह खंड इस बात की विस्तृत योजना प्रस्तुत करता है कि शिक्षक कैसे योग्यता-आधारित प्रश्नों को छात्रों के लिए प्रस्तुत कर सकते हैं, उनके आत्मविश्वास को बढ़ा सकते हैं, और शिक्षण-अधिगम चक्र के दौरान उनकी चिंता को कम कर सकते हैं।

## छात्रों को योग्यता-आधारित प्रश्नों की उपयोगिता समझाने में मदद करना

छात्रों की चिंता को कम करने के तरीकों पर चर्चा करने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि छात्रों को समझाया जाए कि योग्यता-आधारित प्रश्न क्या हैं और यह केवल अवधारणाओं को थोड़े अलग तरीके से जाँचने का एक तरीका है। इस दस्तावेज़ में दिए गए कुछ उदाहरणों का उपयोग करें ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आधारभूत अवधारणा वही है, बस प्रश्न पूछने का तरीका बदल रहा है।

योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझाते समय निम्नलिखित पहलुओं पर ज़ोर दें:



जो पाठ्यक्रम परीक्षा में शामिल होगा और जाँचा जाएगा, वह नहीं बदलेगा।



प्रश्न पत्र के सभी प्रश्न योग्यता-आधारित नहीं होंगे।



बदलाव क्रमिक रूप से होगा, जहाँ शुरुआती वर्षों में कुछ प्रतिशत प्रश्न योग्यता-आधारित होंगे और बाद के वर्षों में अधिक से अधिक प्रश्न बदल जाएँगे।



यह बदलाव छात्रों की मदद करेगा, क्योंकि उन्हें बहुत अधिक जानकारी याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे जो समझे हैं उसे लागू कर पाएँगे।

इस मूलभूत अंतर को समझाने के बावजूद, यह आश्चर्यजनक नहीं है कि जब छात्र पहली बार इन प्रकार के प्रश्नों का सामना करेंगे तो वे चिंतित महसूस करेंगे। उन्हें चिंता हो सकती है कि उनके पिछले अध्ययन के तरीके, जो स्मरण और दोहराव पर जोर देते थे, इस नई प्रणाली में प्रभावी नहीं होंगे। छात्रों के लिए इस बदलाव को सहज बनाने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वे अपनी नियमित शिक्षण प्रथाओं में योग्यता-आधारित प्रश्नों को धीरे-धीरे शामिल कर, उनकी चिंता को कम करने के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

## योग्यता-आधारित प्रश्नों का चरणबद्ध परिचय

योग्यता-आधारित प्रश्नों का चरणबद्ध परिचय छात्रों की चिंता कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह चरणबद्ध परिचय छात्रों को इन प्रश्नों के प्रारूप, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं से परिचित होने का अवसर प्रदान करता है, जिससे वे अभिभूत महसूस न करें।

### 1. उद्देश्य को समझाएँ

छात्रों को यह समझाना आवश्यक है कि योग्यता-आधारित प्रश्न क्यों महत्वपूर्ण हैं। उन्हें यह समझाने में मदद करें कि ये प्रश्न केवल “सही” उत्तर प्राप्त करने के बारे में नहीं हैं, बल्कि उन महत्वपूर्ण कौशलों को विकसित करने के बारे में हैं जो उनके पूरे जीवन में काम आएँगे। इन प्रश्नों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ने से ये अधिक प्रासंगिक लगेंगे और अपरिचितता की भावना कम होगी।





## 2. रोजमर्रा की पढ़ाई में योग्यता-आधारित प्रश्नों का उपयोग करें

शुरुआत धीरे-धीरे करें, हर दिन पढ़ाए जा रहे विषय से संबंधित एक योग्यता-आधारित प्रश्न का उपयोग करके। छात्रों से कहें कि वे इस प्रश्न का उत्तर देने और उत्तर तक पहुँचने की प्रक्रिया को समझाने के लिए 5 मिनट लें। कक्षा में इस पर चर्चा करें

और विभिन्न विचारों को सुनें। चर्चा का मुख्य उद्देश्य प्रश्न और विभिन्न सोच प्रक्रियाओं पर अच्छी बातचीत करना होना चाहिए और फिर छात्रों को सही उत्तर तक मार्गदर्शन देना चाहिए। इसी प्रकार के 2-3 प्रश्न गृहकार्य के लिए भी दिए जा सकते हैं।



## 3. कक्षा शिक्षण और गृहकार्य में ऐसे प्रश्नों को शामिल करना शुरू करें जो परीक्षाओं की तुलना में कम दबावपूर्ण हों

योग्यता-आधारित प्रश्नों को नियमित कक्षा गतिविधियों और कम-दबाव वाले मूल्यांकन में शामिल करना शुरू करें। उदाहरण के लिए, शिक्षक इन प्रश्नों का उपयोग गृहकार्य, कक्षा चर्चाओं या साप्ताहिक परीक्षणों में कर

सकते हैं। यह छात्रों को उच्च-दबाव वाली परीक्षा के बिना इनका अभ्यास करने का अवसर देता है। बार-बार इन प्रश्नों का सामना करने से छात्रों में समय के साथ आत्मविश्वास बढ़ता है।



## 4. स्कैफोल्डिंग तकनीकों का उपयोग करें

स्कैफोल्डिंग एक शिक्षण रणनीति है जिसमें एक जटिल कार्य को छोटे, अधिक प्रबंधनीय हिस्सों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक चरण पर सहायता प्रदान की जाती है। शिक्षक छात्रों को समस्या समाधान प्रक्रिया में चरणबद्ध तरीके से मार्गदर्शन देकर योग्यता-आधारित प्रश्नों को स्कैफोल्ड कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, गणित की समस्या में शिक्षक छात्रों से पहले यह समझाने के लिए कहें कि प्रश्न क्या पूछ रहा है, फिर संबंधित सूत्र या अवधारणाओं की पहचान कराएँ, फिर उन्हें इन अवधारणाओं को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करें, और अंत में उनसे अपने तर्क को उचित ठहराने के लिए कहें। समय के साथ, जैसे-जैसे छात्र अधिक सक्षम होते जाते हैं, सहायता के स्तर को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है।

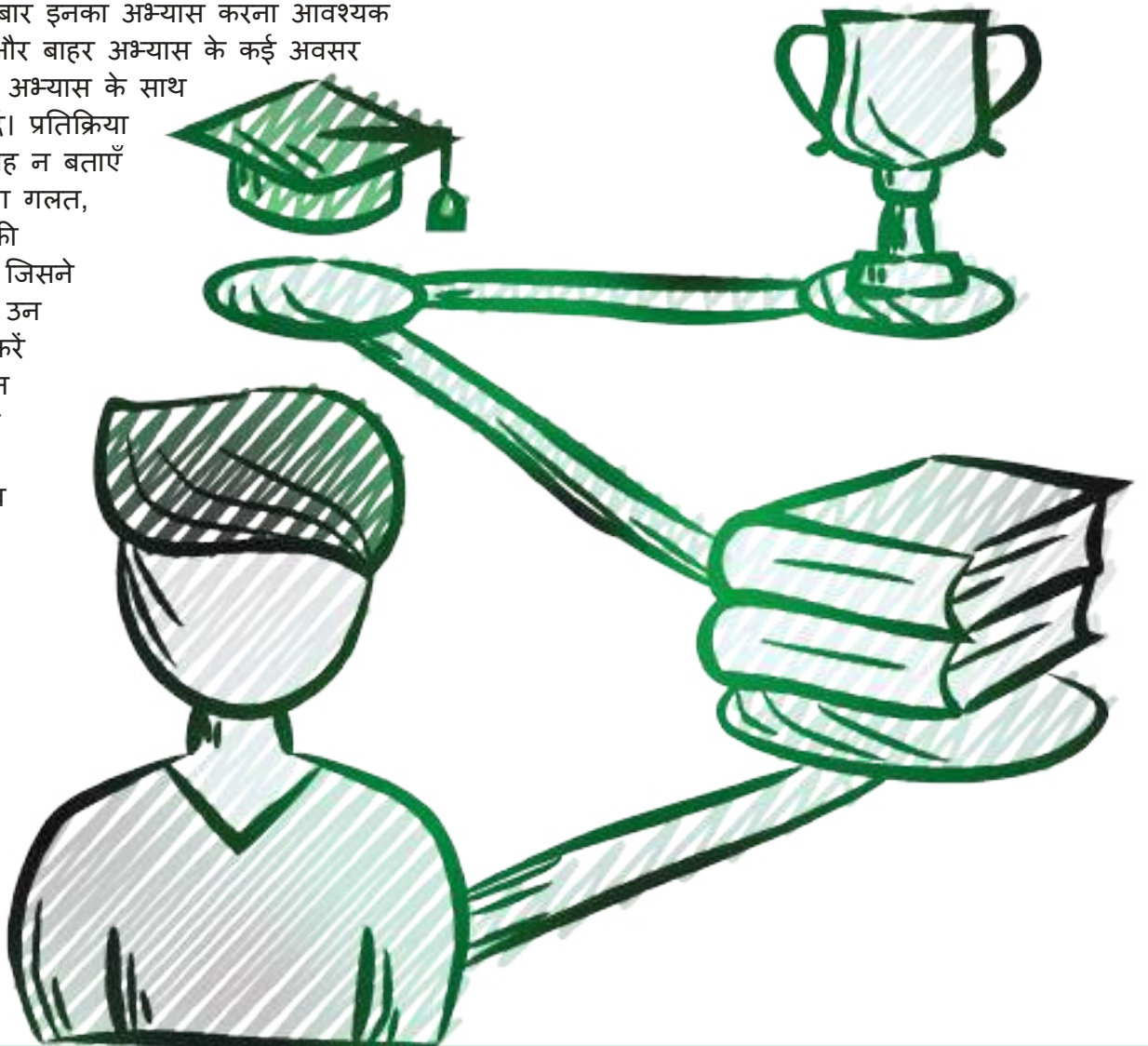
## 5. सहपाठी शिक्षण को शामिल करें

सहपाठी शिक्षण योग्यता-आधारित प्रश्नों के प्रति चिंता को कम करने का एक प्रभावी तरीका हो सकता है। छात्रों को जोड़ें या छोटे समूहों में संगठित करना, ताकि वे इन प्रश्नों पर एक साथ काम कर सकें, सहयोग और साझा अधिगम को बढ़ावा देता है। अक्सर, छात्र अपने सहपाठियों से अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं, जो अवधारणाओं को सरल और अधिक प्रासंगिक शब्दों में समझा सकते हैं। एक साथ काम करने से छात्रों को अपने संघर्षों में कम अकेला महसूस करने में मदद मिलती है और ये प्रश्न ऐसी चुनौतियों के रूप में देखने को प्रेरित करता है, जिन्हें वे टीम के रूप में हल कर सकते हैं।



## 6. प्रतिक्रिया के साथ पर्याप्त अभ्यास प्रदान करें

योग्यता-आधारित प्रश्नों के प्रति छात्रों की सहजता बढ़ाने के लिए बार-बार इनका अभ्यास करना आवश्यक है। कक्षा के अंदर और बाहर अभ्यास के कई अवसर प्रदान करें और इस अभ्यास के साथ विस्तृत प्रतिक्रिया दें। प्रतिक्रिया देते समय, केवल यह न बताएँ कि उत्तर सही था या गलत, बल्कि उस सोचने की प्रक्रिया पर जोर दें, जिसने उत्तर तक पहुँचाया। उन क्षेत्रों को रेखांकित करें जहाँ छात्र ने मज़बूत तर्क कौशल प्रदर्शित किए और सुधार के लिए विशिष्ट सुझाव प्रदान करें।



# शिक्षण-अधिगम चक्र को समायोजित करना

योग्यता-आधारित मूल्यांकन के प्रति छात्रों की चिंता को वास्तव में कम करने के लिए, शिक्षकों को इन प्रश्नों को व्यापक शिक्षण-अधिगम चक्र में एकीकृत करना होगा। इसके लिए पाठ योजना, शिक्षण, कक्षा संस्कृति, और मूल्यांकन पद्धतियों में बदलाव करने की आवश्यकता होती है।

## 1. पाठों को योग्यता-आधारित अधिगम उद्देश्यों के साथ संरेखित करना

शिक्षक एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में अपने पाठों को योग्यता-आधारित अधिगम उद्देश्यों के साथ संरेखित कर सकते हैं। पारंपरिक शिक्षण विधियाँ अक्सर सामग्री के वितरण को प्राथमिकता देती हैं, यह मानते हुए कि छात्र बाद में इस जानकारी को याद करके मूल्यांकन में प्रदर्शित करेंगे। हालाँकि, योग्यता-आधारित प्रश्नों को प्रस्तुत करते समय, शिक्षकों को कौशल जैसे विश्लेषण, अनुप्रयोग और समस्या समाधान पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।



### समझ के लिए शिक्षण करें:

जितनी संभव हो उतनी अधिक सामग्री कवर करने के बजाय, मुख्य अवधारणाओं की गहरी समझ को प्राथमिकता दें। उदाहरण के लिए, पाठ्यपुस्तक के कई अध्यायों के माध्यम से जल्दबाज़ी करने के बजाय, कुछ विषयों पर अधिक समय व्यतीत करें, उन विषयों में प्रमुख विचारों की पहचान करें जो छात्रों के लिए अनिवार्य हैं, और उन्हें अधिक गहराई से खोजने और अपने ज्ञान को विभिन्न संदर्भों में लागू करने का अभ्यास करने की अनुमति दें।



### वास्तविक जीवन के उदाहरणों को एकीकृत करें:

सैद्धांतिक अवधारणाओं को रोज़मर्रा के जीवन में कैसे लागू किया जाता है, इसे समझाने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करें। इससे छात्रों को जो वे सीख रहे हैं उसकी प्रासंगिकता समझने में मदद मिलती है और अमूर्त या अप्रासंगिक ज्ञान से जुड़ी चिंता कम होती है।

## 2. कक्षा संस्कृति को वृद्धि और प्रयोग की ओर स्थानांतरित करना

वृद्धि और प्रयोग को प्रोत्साहित करने वाली कक्षा संस्कृति चिंता को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। छात्रों को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि गलतियाँ करना सुरक्षित है और उनसे सीखना एक प्रक्रिया है। योग्यता-आधारित प्रश्न प्रस्तुत करते समय, शिक्षकों को इस बात पर ज़ोर देना चाहिए कि लक्ष्य पूर्णता नहीं बल्कि सुधार है।



### गलतियों को 'सीखने के अवसर' के रूप में मनाएँ:

गलतियाँ करने को सामान्य बनाकर उन्हें सीखने के अवसर के रूप में सराहा जाए। जब छात्र योग्यता-आधारित प्रश्नों का उत्तर गलत देते हैं, तो इसे इस बात पर चर्चा करने का मौका बनाएँ कि उन्होंने समस्या को कैसे हल किया, वे इससे क्या सीख सकते हैं, और वे अगली बार कैसे सुधार कर सकते हैं।



### जोखिम लेने को प्रोत्साहित करें:

छात्रों को समस्याओं को हल करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ प्रयोग करने और जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित करें। स्पष्ट करें कि अक्सर सही समाधान तक पहुँचने के कई तरीके हो सकते हैं और रचनात्मक सोच को महत्व दिया जाता है।

## 3. योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन को शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करना

फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन शिक्षण-अधिगम चक्र का एक आवश्यक हिस्सा है और योग्यता-आधारित प्रश्नों के प्रति चिंता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योगात्मक मूल्यांकन के विपरीत, जो सीखने की अवधि के अंत में छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है, रचनात्मक मूल्यांकन निरंतर प्रतिक्रिया प्रदान करता है जो छात्रों को अधिगम के दौरान सुधार करने में मदद करता है।



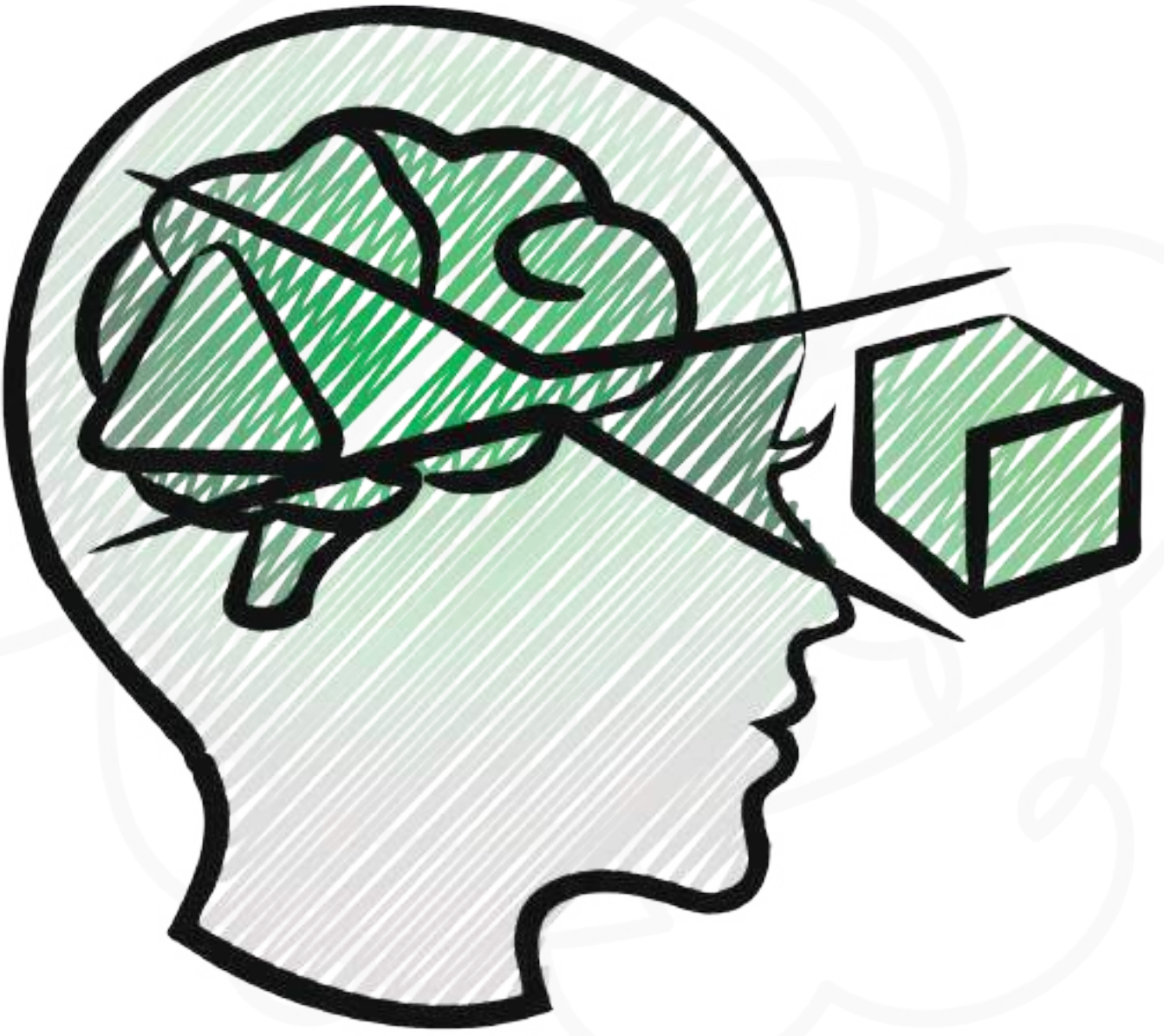
### अधिक बार और कम-दबाव वाले फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन शामिल करें:

नियमित फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन छात्रों को कम दबाव वाले वातावरण में योग्यता-आधारित प्रश्नों का अभ्यास करने की अनुमति देते हैं। ये मूल्यांकन क्विज़, विषय अंत मूल्यांकन, या कक्षा में छोटी गतिविधियों के रूप में हो सकते हैं।



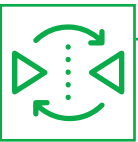
### फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन का उपयोग शिक्षण का मार्गदर्शन करने के लिए करें:

फ़ॉर्मेटिव मूल्यांकन यह समझने के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है कि छात्र कहाँ संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें कहाँ अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता है। इस जानकारी का उपयोग अपनी शिक्षण पद्धति को समायोजित करने और छात्रों को सुधार में मदद करने के लिए लक्षित निर्देश प्रदान करने के लिए करें।



#### 4. मेटाकॉग्निटिव कौशल का निर्माण

योग्यता-आधारित प्रश्न अक्सर छात्रों से यह सोचने की आवश्यकता करते हैं कि वे कैसे सोचते हैं। छात्रों को मेटाकॉग्निटिव बनाने से वे अपनी सोच प्रक्रियाओं से अवगत होंगे, उनकी चिंता कम होगी और वे अधिक प्रभावी समाधानकर्ता बन पाएँगे।



##### प्रतिबिंब सिखाएँ:

योग्यता-आधारित प्रश्न का उत्तर देने के बाद, छात्रों से उनके दृष्टिकोण पर विचार करने के लिए कहें। उन्होंने समस्या को हल करने के लिए कौन से कदम उठाए? क्या उनकी रणनीति काम आई? यदि नहीं, तो क्यों? छात्रों को उनकी अपनी सोच के बारे में आलोचनात्मक रूप से सोचने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करें।



##### मॉडल समस्या-समाधान:

नियमित रूप से योग्यता-आधारित प्रश्नों को हल करते समय अपनी सोच प्रक्रिया का मॉडल प्रस्तुत करें। अपनी सोच प्रक्रिया को व्यक्त करके, आप छात्रों को यह दिखाते हैं कि जटिल समस्याओं को व्यवस्थित और विचारशील तरीके से कैसे हल किया जाए।

# आत्मविश्वास और कौशल प्राप्त करने का मार्ग

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर स्थानांतरित होने के लिए सोच-समझकर बनाई गई योजना और छात्रों की भावनात्मक और बौद्धिक आवश्यकताओं की गहरी समझ आवश्यक होगी। एक क्रमिक और सहायक दृष्टिकोण अपनाकर, शिक्षक इन प्रश्नों को इस तरह से प्रस्तुत कर सकते हैं, जो चिंता को कम करे और आत्मविश्वास बनाए। स्कैफोल्डिंग, बार-बार अभ्यास, सहपाठी सहयोग, और मेटाकॉग्निटिव प्रतिबिंब के माध्यम से, छात्र योग्यता-आधारित मूल्यांकन को आत्मविश्वास और जिज्ञासा के साथ हल करना सीख सकते हैं, न कि डर के साथ। समय के साथ, छात्र यह समझने लगेंगे कि योग्यता-आधारित प्रश्न अन्य प्रश्नों से भिन्न नहीं हैं, बल्कि कई मायनों में बेहतर हैं, क्योंकि ये उन्हें बहुत अधिक जानकारी याद रखने के बोझ से बचाते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात, शिक्षक अपने नियमित शिक्षण-अधिगम चक्र में स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं, एक ऐसा वातावरण तैयार करते हुए जहाँ योग्यता-आधारित प्रश्न केवल मूल्यांकन का हिस्सा नहीं, बल्कि गहन और सार्थक अधिगम के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन जाएँ।

## मुख्य निष्कर्ष:



- छात्रों का मूल्यांकन करने के तरीके में बदलाव उनके लिए थोड़ा डराने वाला हो सकता है, खासकर जब वे पारंपरिक परीक्षाओं के आदी हों।
- इस बदलाव को सहज बनाने के लिए, हम दक्षता-आधारित प्रश्नों को धीरे-धीरे पेश कर सकते हैं।
- कम-दबाव वाले अभ्यास प्रश्नों से शुरू करें और समझाएँ कि ये प्रश्न क्यों महत्वपूर्ण हैं—उन्हें दिखाएँ कि यह समझने के बारे में है, न कि रटने के!
- स्कैफोल्डिंग जैसी तकनीकों का उपयोग करें, जहाँ हम छात्रों को समस्या के प्रत्येक चरण में मार्गदर्शन देते हैं, यह भी बहुत प्रभावी हो सकता है।
- इन प्रश्नों पर चर्चा को प्रोत्साहित करें, जिससे छात्रों को सोचने के विभिन्न तरीकों को खोजने का अवसर मिले।
- एक और विचार? सहपाठी शिक्षण! जोड़ों या छोटे समूहों में काम करने छात्र अकेला महसूस नहीं करेंगे और उन्हें यह लगेगा कि इस बदलाव में सब साथ हैं।
- अंतिम उत्तर के बजाय उनके दृष्टिकोण पर केंद्रित प्रतिक्रिया के साथ, छात्र इन मूल्यांकनों को बढ़ने का एक अवसर समझ सकते हैं, न कि डरने की चीज़।

# अभिभावक को योग्यता- आधारित प्रश्नों से परिचित कराना और उनकी चिंता कम करना

योग्यता-आधारित प्रश्नों से न केवल छात्रों पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि यह अभिभावक को भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है, जो इस दृष्टिकोण से अपरिचित हो सकते हैं और चिंतित हो सकते हैं कि यह उनके बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करेगा। पारंपरिक रूप से, कई अभिभावक उच्च अंकों को सफलता के साथ जोड़ते हैं और अक्सर परीक्षाओं को अपने बच्चे की क्षमताओं का अंतिम प्रतिबिंब मानते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्न, जो आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और ज्ञान के अनुप्रयोग पर जोर देते हैं, अभिभावक के लिए अपरिचित और यहाँ तक कि डराने वाले लग सकते हैं, खासकर जब वे रटने पर आधारित मूल्यांकन के अधिक अभ्यस्त हों।

हालाँकि, यह समझाना आवश्यक है कि योग्यता-आधारित मूल्यांकन इस तरह डिज़ाइन किए गए हैं कि वे उनके बच्चे की क्षमताओं की एक अधिक सटीक और व्यापक तस्वीर प्रदान कर सकें और छात्रों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार कर सकें। सही संवाद और समर्थन के साथ, शिक्षक अभिभावक को इन परिवर्तनों को अपनाने और इस बदलाव के प्रति उनकी चिंता को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह खंड अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराने और इस बदलाव के प्रति सकारात्मक और सहायक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए रणनीतियाँ प्रस्तुत करता है।

## अभिभावक को बदलाव समझने में मदद करना

कई अभिभावकों के लिए पारंपरिक मूल्यांकन प्रणाली ही सामान्य है, और वे तुरंत योग्यता-आधारित प्रश्नों की उपयोगिता को नहीं समझ सकते। अभिभावक अक्सर उच्च अंकों को शैक्षणिक सफलता के साथ जोड़ते हैं और यह चिंता कर सकते हैं कि उनके बच्चे नए प्रारूप में संघर्ष करेंगे, जिससे उनके अंक कम हो सकते हैं। इसके अलावा, अभिभावक खुद को इस बदलाव को समझने और अपने बच्चों की मदद करने के लिए तैयार नहीं पा सकते, जिससे उनकी चिंता बढ़ सकती है।

इन चिंताओं को कम करने के लिए, शिक्षकों को सबसे पहले अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों के उद्देश्य

को समझाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ये प्रश्न केवल यह नहीं जाँचते कि छात्र क्या जानते हैं, बल्कि यह भी जाँचते हैं कि वे अपने ज्ञान को व्यावहारिक, वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में कितनी अच्छी तरह लागू कर सकते हैं। इनका ध्यान उच्च-स्तरीय सोच कौशल, जैसे विश्लेषण, संश्लेषण, और मूल्यांकन विकसित करने पर है, जो शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में सफलता के लिए आवश्यक हैं। योग्यता-आधारित प्रश्न रटने के बजाय गहन अधिगम और समझ को प्रोत्साहित करते हैं। अभिभावक को यह दिखाकर कि ये मूल्यांकन उनके बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए कैसे तैयार करते हैं, शिक्षक उनकी चिंता को कम कर सकते हैं और विश्वास विकसित कर सकते हैं।

# अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराने के लिए रणनीतियाँ

## 1. स्पष्ट व्याख्या और उदाहरण प्रदान करें

अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों से परिचित कराने का सबसे प्रभावी तरीका यह है कि उन्हें यह समझाया जाए कि ये प्रश्न क्या हैं और पारंपरिक मूल्यांकन से कैसे अलग हैं।



### जानकारी सत्र आयोजित करें:



योग्यता-आधारित मूल्यांकन पर केंद्रित कार्यशालाएँ, वेबिनार, या अभिभावक-शिक्षक बैठकें आयोजित करें। इन सत्रों में, अभिभावक को इन प्रश्नों का स्वरूप दिखाएँ और अपनी कक्षा या विषय से संबंधित वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत करें। यह दृष्टिकोण इस प्रारूप को समझने में मदद करता है और यह स्पष्ट करता है कि उनके बच्चे किस प्रकार के प्रश्नों का सामना करेंगे।

### दीर्घकालिक लाभ समझाएँ:



योग्यता-आधारित मूल्यांकन के दीर्घकालिक लाभों पर जोर दें, जैसे कि उच्च शिक्षा और कार्यक्षेत्र के लिए बेहतर तैयारी। समझाएँ कि ये प्रश्न आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, और रचनात्मकता जैसे कौशलों का मूल्यांकन करते हैं, जो आधुनिक कार्यस्थलों में अत्यधिक मूल्यवान हैं। यह भी बताएँ कि यह बदलाव उनके बच्चे के समग्र विकास और भविष्य की संभावनाओं के लिए कैसे फायदेमंद होगा।

### नमूना प्रश्न साझा करें:



अभिभावक को योग्यता-आधारित प्रश्नों के उदाहरण दें और दिखाएँ कि ये रटने पर आधारित प्रश्नों से कैसे अलग हैं। उदाहरण के तौर पर, एक पारंपरिक तथ्य-आधारित प्रश्न की तुलना योग्यता-आधारित प्रश्न से करें, जो किसी अवधारणा को नए संदर्भ में लागू करने की माँग करता हो। यह तुलना अभिभावक को नए मूल्यांकन पद्धति में अतिरिक्त लाभ दिखाने में मदद कर सकती है।



## 2. सामान्य चिंताओं को सीधे संबोधित करें

अभिभावक के मन में मूल्यांकन के बारे में कई चिंताएँ हो सकती हैं, जैसे कम अंक आने का डर या यह उलझन कि वे इन प्रश्नों की तैयारी में अपने बच्चों की मदद कैसे करेंगे। शिक्षकों को इन चिंताओं को सीधे संबोधित करना और आश्वासन देना चाहिए।



### अंकों के बारे में चिंताओं का समाधान करें:

एक सामान्य चिंता यह हो सकती है कि प्रश्नों के कारण अंकों में गिरावट होगी। अभिभावक को आश्वस्त करें कि ऐसा नहीं है—ये प्रश्न भले ही छात्रों को गहराई से सोचने की चुनौती देते हैं, लेकिन अगर छात्र सामग्री के साथ ध्यानपूर्वक जुड़ते हैं, तो ये प्रश्न सुलभ हैं। यह भी स्पष्ट करें कि इन मूल्यांकनों का ध्यान केवल अंतिम अंकों पर नहीं है, बल्कि आवश्यक कौशल के विकास पर है।



### घर पर समर्थन के लिए संसाधन प्रदान करें:

कुछ अभिभावक इस बात को लेकर अनिश्चित हो सकते हैं कि वे इन प्रश्नों की तैयारी में अपने बच्चों की मदद कैसे कर सकते हैं। अभिभावक को ऑनलाइन अभ्यास प्रश्न, अध्ययन गाइड, या घर पर आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के सुझाव जैसे संसाधन प्रदान करें। उन्हें बच्चों को जानकारी याद रखने के बजाय अवधारणाओं को समझने में मदद करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

## 3. सहयोगात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा दें

शिक्षकों और अभिभावक के बीच एक साझेदारी बनाना चिंता को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। जब अभिभावक अपने बच्चे की शिक्षा में शामिल महसूस करते हैं और योग्यता-आधारित मूल्यांकन के पीछे के कारण को समझते हैं, तो वे इस बदलाव का अधिक समर्थन करते हैं।

### खुले संवाद को प्रोत्साहित करें:

अभिभावक को यह स्पष्ट करें कि वे किसी भी समय प्रश्न पूछ सकते हैं, चिंताओं को साझा कर सकते हैं, या स्पष्टीकरण माँग सकते हैं। संचार की एक स्पष्ट रेखा स्थापित करें, चाहे वह ईमेल, अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन, या स्कूल ऐप्स के माध्यम से हो। उनके बच्चे की प्रगति पर नियमित अपडेट देना उनकी चिंता को कम करने और उन्हें सूचित और शामिल रखने में मदद करता है।



### सफलताओं को उजागर करें:

दिखाएँ कि योग्यता-आधारित मूल्यांकन छात्रों को कैसे लाभ पहुँचा रहा है। सफलता की कहानियों को साझा करें—चाहे वह एक छात्र के बेहतर समस्या-समाधान कौशल का प्रदर्शन हो या कक्षा में किसी अवधारणा की गहरी समझ। जब अभिभावक अपने बच्चे पर सकारात्मक प्रभाव देखते हैं, तो वे बदलाव को अपनाने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं।



## 4. विशेष अभिभावक चिंताओं को संबोधित करना योग्यता-आधारित प्रश्नों को समझने की चिंता

कई अभिभावक को यह चिंता हो सकती है कि वे योग्यता-आधारित प्रश्नों को पूरी तरह से नहीं समझते और इसलिए, वे अपने बच्चों की गृहकार्य या परीक्षा की तैयारी में मदद नहीं कर पाएँगे।



### प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करें:

जानकारी सत्रों के अलावा, अभिभावक पर केंद्रित कार्यशालाएँ या संसाधन प्रदान करें जो यह समझाएँ कि योग्यता-आधारित प्रश्न कैसे काम करते हैं। इसमें आलोचनात्मक सोच को घर पर प्रोत्साहित करने, गहन समझ को बढ़ावा देने वाले खुले प्रश्न पूछने, या जटिल समस्याओं को प्रबंधनीय भागों में विभाजित करने के तरीके शामिल हो सकते हैं।

## पारंपरिक मूल्यांकन से तुलना करने की चिंता

अभिभावक अक्सर नई प्रणाली की तुलना अपने पारंपरिक मूल्यांकन अनुभवों से करते हैं। वे यह मान सकते हैं कि क्योंकि उन्होंने पुराने सिस्टम में सफलता पाई, इसलिए बदलाव की कोई आवश्यकता नहीं है।



### शिक्षा की बदलती प्रकृति पर जोर दें:

अभिभावक को याद दिलाएँ कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आज के छात्रों को जिन कौशलों की आवश्यकता है, वे अतीत से अलग हैं। योग्यता-आधारित मूल्यांकन छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए तैयार किए गए हैं, जहाँ आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और अनुकूलनशीलता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। समझाएँ कि यह बदलाव परंपरा को छोड़ने के बारे में नहीं है, बल्कि आधुनिक दुनिया की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विकसित होने के बारे में है।

## तैयारी और परिणामों के बारे में चिंता

अभिभावक यह सोच सकते हैं कि उनके बच्चे योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं और इसका परिणाम खराब प्रदर्शन हो सकता है।



### तैयारी की प्रक्रिया के बारे में आश्वस्त करें:

अभिभावक को समझाएँ कि शिक्षक रोजमर्रा के पाठों और कम-दबाव वाले मूल्यांकनों में धीरे-धीरे योग्यता-आधारित प्रश्नों को शामिल कर रहे हैं। छात्रों को अनुकूलन करने का समय दिया जा रहा है, और शिक्षकों द्वारा आवश्यक समर्थन प्रदान किया जा रहा है। अभिभावक को इस प्रक्रिया पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें बताएँ कि बच्चों को इन मूल्यांकनों के लिए चरणबद्ध तरीके से तैयार किया जा रहा है।

# अभिभावक को समर्थन देने के लिए नियमित शिक्षण-अधिगम चक्र में बदलाव

जैसे शिक्षक योग्यता-आधारित मूल्यांकन में बदलाव के लिए छात्रों को समर्थन देने के लिए अपनी कक्षा प्रथाओं को समायोजित करते हैं, वैसे ही वे अभिभावक को अधिक प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए भी बदलाव कर सकते हैं।

## 1. नियमित संवाद और प्रतिक्रिया

अभिभावक को संलग्न रखने और उनकी चिंता को कम करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है निरंतर और स्पष्ट संवाद।



### छात्र की प्रगति पर नियमित अपडेट प्रदान करें:

छात्रों के योग्यता-आधारित मूल्यांकन में अनुकूलन के बारे में नियमित जानकारी साझा करें। सफलताओं को साझा करें, उन क्षेत्रों की पहचान करें जहाँ छात्रों को अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता हो सकती है और यह समझाएँ कि आप उन्हें सुधारने में कैसे मदद कर रहे हैं। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति पारदर्शिता से अभिभावक को यह विश्वास दिलाने में मदद मिलती है कि अधिगम सही दिशा में है।

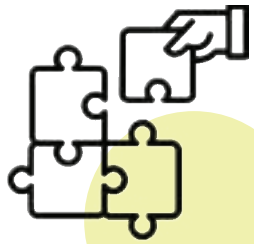


### संसाधन साझा करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करें:

कई स्कूल संवाद के लिए एप्स या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। इन प्लेटफॉर्म का उपयोग संसाधन, उदाहरण और योग्यता-आधारित प्रश्नों से संबंधित अपडेट साझा करने के लिए भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में एक विषय को पढ़ाने के बाद, आप अभिभावक के साथ नमूना प्रश्न साझा कर सकते हैं और यह समझा सकते हैं कि वे योग्यता-आधारित अधिगम के साथ कैसे मेल खाते हैं।

## 2. सीखने की प्रक्रिया में अभिभावक को शामिल करना

अभिभावक अपने बच्चे की शिक्षा में अधिक प्रभावी भागीदार बन सकते हैं यदि वे इस प्रक्रिया में शामिल हों। शिक्षक अभिभावक को सक्रिय रूप से शामिल कर सकते हैं और घर पर बच्चों के सीखने का समर्थन करने के लिए रणनीतियाँ साझा कर सकते हैं।



### घर पर चर्चा को प्रोत्साहित करें:

अभिभावक को ऐसे प्रश्न या चर्चा संकेत प्रदान करें, जिनका उपयोग वे घर पर अपने बच्चों को चिंतनशील सोच में शामिल करने के लिए कर सकते हैं। इन चर्चाओं को किसी विशेष विषय पर केंद्रित करने की आवश्यकता नहीं है; इसके बजाय, वे व्यापक आलोचनात्मक सोच कौशल को प्रोत्साहित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, अभिभावक अपने बच्चों से पूछ सकते हैं कि वे एक वास्तविक जीवन की समस्या को कैसे हल करेंगे या यह चिंतन करने के लिए कह सकते हैं कि उन्होंने अपने गृहकार्य में किसी चुनौती का सामना कैसे किया।



## अभ्यास सामग्री तक पहुँच प्रदान करें:

अभिभावक को ऐसी अभ्यास सामग्री उपलब्ध कराएँ जो योग्यता-आधारित मूल्यांकनों के साथ मेल खाती हो। इससे अभिभावक अधिक सक्षम महसूस करेंगे और अपरिचित प्रश्न प्रारूपों के बारे में चिंता कम होगी।

## विश्वास बनाना और चिंता कम करना

योग्यता-आधारित प्रश्नों की ओर बदलाव छात्रों के भविष्य के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह छात्रों और अभिभावक दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव भी है। स्पष्ट संवाद, चिंताओं का समाधान और अभिभावक को सीखने की प्रक्रिया में शामिल करके, शिक्षक अभिभावक की चिंता को कम कर सकते हैं और नई प्रणाली में विश्वास बना सकते हैं।

अभिभावक अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छा चाहते हैं, और जब वे योग्यता-आधारित मूल्यांकन के मूल्य को समझते हैं—कि यह आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, और समस्या-समाधान को बढ़ावा देता है—तो वे इस बदलाव का समर्थन करने के लिए अधिक इच्छुक हो जाते हैं। निरंतर संवाद, पारदर्शी शिक्षण प्रथाओं, और लक्षित समर्थन के साथ, शिक्षक अभिभावक को इस बदलाव को अपनाने और यह महसूस करने में मदद कर सकते हैं कि उनके बच्चे भविष्य के लिए अच्छी तरह से तैयार हो रहे हैं।

### मुख्य निष्कर्ष:



- माता-पिता अक्सर उच्च अंकों को सफलता से जोड़ते हैं, इसलिए यह बदलाव उनके लिए भी थोड़ा चिंताजनक हो सकता है।
- इसका सबसे अच्छा तरीका? स्पष्ट और निरंतर संवाद। यह समझाकर कि योग्यता-आधारित प्रश्न केवल यह नहीं जाँचते कि छात्र क्या जानते हैं, बल्कि यह भी कि वे क्या कर सकते हैं, हम माता-पिता को दिखा सकते हैं कि ये मूल्यांकन में उनके बच्चों को वास्तविक दुनिया के लिए तैयार करते हैं।
- जानकारी सत्र या माता-पिता-शिक्षक बैठकें आयोजित करना, जो विशेष रूप से इस बदलाव को समझाने पर केंद्रित हों, बहुत उपयोगी हो सकता है। इन सत्रों के दौरान, आप योग्यता-आधारित प्रश्नों के उदाहरण साझा कर सकते हैं और समझा सकते हैं कि ये किस तरह छात्रों को महत्वपूर्ण कौशल जैसे आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान विकसित करने में मदद करते हैं।
- माता-पिता यह भी जानना पसंद करते हैं कि वे घर पर कैसे मदद कर सकते हैं, इसलिए नमूना प्रश्न या आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए गाइड जैसे संसाधन प्रदान करना बहुत सहायक हो सकता है।
- माता-पिता के साथ एक टीम दृष्टिकोण बनाना उन्हें आश्वस्त करता है और उन्हें यह विश्वास दिलाता है कि यह बदलाव वास्तव में उनके बच्चों के लाभ के लिए है।

# योग्यता-आधारित मूल्यांकन की दिशा में आगे का रास्ता

योग्यता-आधारित मूल्यांकन की ओर बढ़ना केवल एक शैक्षणिक सुधार नहीं है; यह छात्रों को आलोचनात्मक विचारक, समस्या-समाधानकर्ता और आजीवन शिक्षार्थी बनने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसा कि इस पुस्तिका में बताया गया है, विचार करने के मुख्य पहलू निम्नलिखित हैं:

## 1

### योग्यता बनाम रटने पर आधारित मूल्यांकन:

योग्यता-आधारित मूल्यांकन रटने की बजाय समझ और अनुप्रयोग को प्राथमिकता देता है। मुख्य अवधारणाओं और वास्तविक जीवन में उनके अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करके, ये मूल्यांकन छात्रों को ज्ञान को अधिक सार्थक रूप से प्रयोग करने में मदद करते हैं।

## 2

### वास्तविक दुनिया से प्रासंगिकता:

योग्यता-आधारित दृष्टिकोण उन कौशलों पर जोर देता है जो वास्तविक दुनिया में प्रासंगिक हैं, छात्रों को आधुनिक कार्यस्थलों और समाज की बदलती माँगों के लिए तैयार करता है।

## 3

### शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए विकास:

यह परिवर्तन शिक्षकों को केवल शिक्षकों के रूप में नहीं बल्कि छात्रों को आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक समस्या-समाधान में मार्गदर्शन करने वाले मार्गदर्शक के रूप में एक नई भूमिका प्रदान करता है।

# 4

## अभिभावक के साथ सहयोग:

इस परिवर्तन में अभिभावक को शामिल करना एक सहायक नेटवर्क बनाता है, जो चिंताओं को कम करने और छात्र की सफलता और विकास पर केंद्रित समुदाय को बढ़ावा देने में मदद करता है।

# 5

## क्रमिक परिवर्तन:

योग्यता-आधारित मूल्यांकन में परिवर्तन एक दिन में नहीं हो सकता। शिक्षक इन प्रथाओं को धीरे-धीरे पेश कर सकते हैं और इस मार्गदर्शिका में दिए गए संसाधनों और रणनीतियों का उपयोग प्रत्येक चरण को प्रभावी ढंग से तय करने के लिए कर सकते हैं।

यह यात्रा समर्पण, अनुकूलनशीलता और धैर्य की माँग करती है। यह बदलाव चुनौतियाँ ला सकता है, लेकिन यह छात्रों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालने का एक पुरस्कृत अवसर भी लाता है। यह गाइड शिक्षकों को इस यात्रा में समर्थन प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, जिसमें अंतर्दृष्टि, रणनीतियाँ, और प्रेरणा शामिल हैं।

इस मूल्यांकन में निवेश किया गया हर प्रयास छात्रों के भविष्य में योगदान देता है, उन्हें जीवन के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है। यह आवश्यक है कि

इस यात्रा को आत्मविश्वास के साथ अपनाएँ, यह जानते हुए कि जो कदम आज उठाए जा रहे हैं, वे अधिक गहन और सशक्त शिक्षार्थियों की पीढ़ी के लिए नींव रखेंगे।

शिक्षा के इस परिवर्तनकारी सफर में आपके समर्पण के लिए धन्यवाद, जो हमारे छात्रों के लिए एक उज्ज्वल और अधिक उत्साहजनक अधिगम अनुभव का मार्ग प्रशस्त करता है।







En

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड